

पहला कॉलम

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा-नहीं पता कौन पत्रकार है और कौन रील निर्माता

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शनिवार को दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के कथित उत्पीड़न और उन्हें हिंसा में लिए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिकारिका इंदिरा जयसिंह ने महिला पत्रकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए जाने की मांग की। इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से प्रदर्शन को कवर करने वाले पत्रकारों और सामग्री तैयार करने वाले लोगों के बीच अंतर को लेकर सवाल उठाए गए। सोलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा कि प्रौद्योगिकी के इस दौर में मोबाइल फोन रखने वाला कोई भी व्यक्ति पत्रकार होने का दावा कर सकता है। उन्होंने कहा कि कई लोग हाथ में सूक्ष्म ध्वनि रिकॉर्ड करने वाले उपकरण लेकर खड़े होते हैं, रिकॉर्डिंग करने की बात कहते हैं और बाद में उस सामग्री को लघु वीडियो के रूप में इंटरनेट पर साझा कर देते हैं।

इंडिया गेट पर अकिंता भंडारी के माता-पिता समेत कांग्रेस नेता हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चर्चित अकिंता भंडारी हत्याकांड को लेकर दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे अकिंता के माता-पिता को गुरुवार तड़के दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वे वकील योगिता भयाना के साथ इंडिया गेट पर धरना दे रहे थे। प्रदर्शनकारी दुर्घटित गीतम को सिक्रिम का रज्यपाल नियुक्त किए जाने के फैसले को रद्द करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने अकिंता के माता-पिता के साथ कई कांग्रेस नेताओं को भी हिरासत में लिया। हालांकि, बाद में सभी को रिहा कर दिया गया। अकिंता के माता-पिता की मांग है कि दुर्घटित गीतम को नियुक्ति पर तब तक रोक लगाई जाए, जब तक हत्याकांड से जुड़े कथित विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) के पहलू को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच पूरी नहीं हो जाती।

नूंह क्राइम ब्रांच की मुठभेड़ में वाछित गो-तस्कर शाहिद की मौत दो आरोपी फरार

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले की क्राइम ब्रांच टीम और गो-तस्करी और एटीएम मशीन उखाड़ने में शामिल वाछित अपराधी शाहिद उर्फ आडवाणी की मुठभेड़ हो गई, जिसमें आडवाणी की मौत हो गई। यह मुठभेड़ गुरुवार सुबह चार बजे गुरुग्राम जिले के सोहना क्षेत्र में सिलानी गांव के पास हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल हुए आरोपी को सोहना के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फिरोजपुर झिका की सीएस स्टॉफ की टीम वाछित अपराधी शाहिद उर्फ आडवाणी का पीछा कर रही थी। पीछा करते हुए पुलिस टीम गुरुग्राम जिले के सोहना क्षेत्र में पहुंची। सिलानी गांव के पास पुलिस ने आरोपी को घेर लिया।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल लाने की योजना

26 और 27 अक्टूबर को संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में मोदी सरकार.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

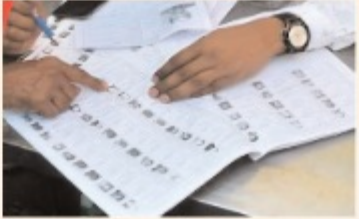
संसद के गलियारों में एक बार फिर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। केंद्र सरकार इसी माह के अंत में संसद का विशेष सत्र बुलाकर लॉबिंग संवैधानिक सुधारों को आगे बढ़ाने का खाका तैयार कर रही है। इस सत्र का मुख्य फोकस लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने पर होगा। राजनीतिक हलकों में यह कदम रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित जरूर हुआ था, लेकिन दोनों सदनों का औपचारिक सत्रावसान अभी तक नहीं किया गया है। संवैधानिक नियमों के तहत सत्रावसान न होने के कारण सरकार को नया सत्र बुलाए बिना उसी सत्र की विशेष बैठकें आयोजित करने का सोधा अधिकार प्राप्त है। संसदीय कार्य मंत्रालय फिलहाल तारीखों और विधायी कामकाज की रूपरेखा को अंतिम रूप देने में जुटा है। इससे पहले इसी वर्ष बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी समर्थन न मिल पाने के कारण गिर



गया था। सरकार अब किसी भी जोखिम से बचने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में सरकार के पास निचले सदन में विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद है और वह इस बार इसे हर हाल में कानूनी जामा पहनाने के लिए प्रतिबद्ध है। संख्या बल की ओर मजबूत करने के लिए सरकार ने तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके से संपर्क साधा है। तमिलनाडु चुनावों के बाद डीएमके के कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन से अलग होने के बाद नए सियासी समीकरण बने हैं, जिसका लाभ उठाने की कोशिश में सरकार जुटी है। इसके अलावा कुछ अन्य निर्दलीय और छोटे क्षेत्रीय दलों से भी फ्लोर

मैनेजमेंट के तहत बातचीत की जा रही है ताकि मतदान के दौरान दो-तिहाई बहुमत आसानी से सुनिश्चित हो सके। हिंदी उत्पाद खोजें विशेष सत्र की संभावित तारीखें तय करते समय 26 और 27 अक्टूबर को संविधान सदन में आयोजित होने वाले 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के कार्यक्रम का भी ध्यान रखा जा रहा है। संभावना है कि बैठक बुलाने से पूर्व सांसदों को करीब एक हफ्ते का आधिकारिक नोटिस दिया जाएगा। यह पूरी कवायद ऐसे समय हो रही है जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मसले पर सरकार की घेराबंदी करने में जुटा हुआ है।

देशभर में मतदाता सूची से क्यों कटे नाम घर घर जाकर बताएंगी भाजपा; कांग्रेस के आरोपों का भाजपा देगी करारा जवाब



देशभर में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की कार्यवाहता को लेकर हिंदी सियासी घमासान के बीच भाजपा ने अब सीधे जनता की अदालत में जाने का फैसला किया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा मतदाता सूची से नाम काटे जाने के तमाम जा रहे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पार्टी ने आक्रमक रुख अपनाया है। इस प्रस्तावित अभियान का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को सामने रखना और एसआईआर के तकनीकी व वैधानिक पहलुओं से आम मतदाताओं को अवगत करना है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पार्टी अपने सभी जन प्रतिनिधियों और प्रमुख नेताओं को सीधे मैदान में उतारने की तैयारी में है। पार्टी के सांसदों, विधायकों और प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर जनसंपर्क साधने का जिम्मा सौंपा जाएगा।

लालबाग मैदान में सजेगा मुरिया दरबार

22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं और बस्तर की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की तैयारी है। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के दौरान इस बार मुरिया दरबार का आयोजन जगदलपुर के लालबाग मैदान में किया जाएगा। 23 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी इसे विशेष महत्व देगी। दशकों से चली आ रही परंपरा में आयोजन स्थल का यह बदलाव अपने आप में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष आमंत्रण पर उनका बस्तर पहुंचना प्रस्तावित है। राष्ट्रपति की मौजूदगी में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार के जरिए बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और स्थानीय समाज की ऐतिहासिक भूमिका को व्यापक



पहचान मिलने की उम्मीद है। बस्तर दशहरा केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुरिया दरबार को जनजातीय समाज और स्थानीय शासन व्यवस्था के बीच संवाद की ऐतिहासिक परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। इस मंच पर बस्तर के लोगों की समस्याओं, अपेक्षाओं और क्षेत्र से जुड़े विषयों को सामने रखने की परंपरा रही है। यही वजह है कि मुरिया दरबार को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ जनभागीदारी का प्रतीक भी माना जाता है।

खैर लकड़ी तस्करी का बड़ा गिरोह फूटा

हिमाचल, हरियाणा से लेकर ओडिशा तक फैला जाल,1.70 करोड़ नकद और 15 टन लकड़ी जब्त

महासमुंद्र। महासमुंद्र पुलिस ने खैर लकड़ी की अवैध तस्करी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए लकड़ी को वैध दिखाकर खपाने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा सहित अलग-अलग राज्यों में दबिश देकर तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान तस्करी से अर्जित बताए जा रहे 1 करोड़ 70 लाख रुपये नकद और करीब 15 टन अवैध खैर लकड़ी जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम बगबोडा कला, थाना बिराभाटपुरा देहात स्थित श्री बालाजी ट्रेडिंग के गोदाम से करीब 15 टन खैर लकड़ी बरामद हुई है। वहीं, इस पूरे मामले में अब तक ओडिशा, मध्यप्रदेश, हरियाणा और



हिमाचल प्रदेश में कार्रवाई कथित मास्टरमाइंड करते हुए कुल 70 टन अवैध खैर लकड़ी जब्त की जा चुकी है। इस सिंडिकेट के पांवटा साहिब, जिला

सिरमौर, हिमाचल प्रदेश को पुलिस ने 12 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। आरोप है कि, वह अपनी फर्म शिवालिक ट्रेडर्स के नाम पर फर्जी एनटीपी यानी वन परिवहन पत्रिका, फर्जी बिल और बैंक खातों के जरिए अवैध खैर लकड़ी को वैध दर्शाकर कारोबार करता था। पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सीजेपी प्रदर्शन से असर पड़ा तो व्यापारियों को मुआवजा मिलेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन के कारण ल्योहारों के दौरान छोटे व्यवसायों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अगर प्रदर्शन के चलते व्यापारियों या दिहाड़ी मजदूरों के रोजगार पर असर पड़ेगा तो कोर्ट उन्हें मुआवजा दिलाएगा। इस मामले में कोर्ट अपने संवैधानिक टॉट अधिकार

क्षेत्र का इस्तेमाल करेगी। जानकारी के मुताबिक, चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की जिसमें कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर चिंता जताई गई। कोर्ट ने संभावना जताई है कि समझदारी से काम लिया जाएगा और प्रदर्शनकारियों, व्यापारियों और प्रशासन के हितों के बीच संतुलन बना रहेगा।

पति की हत्या को हादसा दिखाने की रची थी साजिश

मेरठ सांप कांड- कोर्ट ने रविता और प्रेमी अमरदीप को सुनाई फांसी की सजा

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित सांप कांड में जिला अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए अमित कश्यप की हत्या के दोषी उसकी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को फांसी की सजा सुनाई। करीब 17 महीने तक चले मुकदमे के बाद अदालत ने 7 अक्टूबर को दोनों को हत्या का दोषी ठहराया था। शुक्रवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद

अदालत ने दोनों को मृत्युदंड दिया। सजा सुनाते हुए अदालत ने अपराध की गंभीरता का उल्लेख किया। फांसी में पत्नी और पति के रिश्ते से जुड़े सांस्कृतिक और पौराणिक संदर्भों का भी जिक्र किया गया। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि पति की हत्या कर उसे सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की गई थी। अदालत ने मामले के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को कड़ी सजा

सुनाई। सुनवाई के दौरान जिला शासकीय अधिकारिका के.के. चौबे ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के लिए अधिकतम सजा की मांग की। अभियोजन पक्ष ने अमरौहा के चर्चित शबनम हत्याकांड का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में भी हत्या को सामान्य घटना का रूप देने और जांच को गुमराह करने की कोशिश की गई थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, अमित की हत्या के बाद घटनास्थल



पर सांप मिलने से शुरुआत में मामला सर्पदंश का लग रहा था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों ने मामले की दिशा बदल दी। यह घटना 12 अप्रैल 2025 की है। उस दिन अमित कश्यप का शव उसके घर में मिला था। शव के नीचे जिंदा सांप मिलने के कारण शुरुआती तौर पर परिजन और ग्रामीणों को लगा कि उसकी मौत सांप के काटने से हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने

आया कि अमित की मौत सर्पदंश से नहीं, बल्कि मुंह और नाक दबाकर दम घोंटने के कारण हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाई। जांच में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप की भूमिका सामने आई। अभियोजन पक्ष ने अदालत में साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ हत्या की साजिश रचने का मामला पेश किया। दोनों दोषियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की दादगिरी

किसानों के भूमि पर बलात सड़क निर्माण



धमतरी। छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय सरकार जिन्हें आम जनता किसानों की सरकार कहती है जिसके द्वारा किसानों को और अत्यधिक जीवन स्तर को ऊपर उठाये जाने को लेकर उन्हें भरपूर सहयोग, उनकी उपज का देकर किया जा रहा है। लेकिन इन्हीं किसानों में से कुरुद क्षेत्र के किसानों की जमीन को बलात रूप से कब्जा कर बिना मुआवजा दिये उनके कृषि भूमियों, घरों पर सड़कों का निर्माण किये जाने से इनमें काफी आक्रोश देखा जा रहा है जिन्होंने लोनिवि संभाग धमतरी के अंतर्गत आने वाले कुरुद उपसंभाग के नादिराहा अनुविभागीय अधिकारी पर बर्बरता पूर्वक कब्जा कर जेसीबी चलाकर उनके खेतों में सड़कों का निर्माण प्रारंभ कर दिया है। इस संबंध में इन्होंने कलेक्टरेट पहुंचकर एक शिकायत दर्ज करारकर कुरुद में पदस्थ लोनिवि अधिकारी पर किसानों से अभद्रतापूर्वक व्यवहार कर उनकी लहलहाती फसलों के ऊपर जेसीबी चलाकर सड़क बनाने की जानकारी दी है। लेकिन शिकायत होने के बाद भी उन्हें न तो मुआवजा दिया गया और न ही उनकी शिकायत पर उक्त अधिकारी के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई जिससे इन किसानों में काफी रोष देखा जा रहा है। कुछ माह पूर्व कुरुद विखंड अंतर्गत कुरुद, चरमुड़िया, चिंवरी, सिरा मार्ग से लगी हुई भूमि जो कि रामलाल, बोधन, भालुग्राम, हेमंत साहू, चोवा, डुमनलाल, मनोहर लाल, कल्याण, टंकराम, महेश आदि के नाम पर शासकीय अधिलेखों में दर्ज है, जिस पर वे लगातार खेती करते आ रहे थे, कुछ किसानों के मकानों को भी इसकी चपेट में ले लिया गया। लेकिन भूमि का बिना मुआवजा दिये इनके खेतों, घरों के कुछ भाग को सड़क में समाहित करते हुए जेसीबी चला दिया गया जिससे क्षुब्ध होकर पहले उन्होंने लोनिवि अधिकारी से

जानकारी ली कि आप कैसे हमारी भूमि पर बिना मुआवजा दिये जेसीबी चला रहे हैं तो इस अधिकारी ने उनके साथ अभद्रतापूर्वक व्यवहार करते हुए उनकी एक न सुनी और हिटलरी रूप अख्तियार करते हुए उनके खेतों के कुछ भाग पर जेसीबी चला दिया। मुआवजा संबंधी कोई जानकारी उक्त विभाग द्वारा नहीं दिये जाने से क्षुब्ध होकर इन किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक शिकायत प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने बताया कि कुरुद लोक निर्माण उप संभाग अंतर्गत सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण का कार्य जारी है जिसके अंतर्गत कुरुद, चरमुड़िया, चिंवरी, सिरा मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य करोड़ों रुपये की लागत से ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा है परंतु ठेकेदार और विभाग द्वारा अभी तक इन किसानों की

भूमि जो सड़क क्षेत्र में समाहित की जा रही है, उसका मुआवजा अभी तक नहीं मिला है परंतु सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि हम संबंधित विभाग में चक्कर लगा-लगाकर थक गये हैं परंतु एक आशा की किरण जिले के कलेक्टर से हमें है, इसलिये हम यहां शिकायत देने आये हैं और हमें उम्मीद है कि कलेक्टर हमारे शिकायत को गंभीरता से लेंगे और हमारे साथ न्याय करेंगे। लोक निर्माण विभाग संभाग के अंतर्गत करोड़ों रुपये के निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं जिनमें कुरुद, चरमुड़िया, चिंवरी, सिरा मार्ग के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण कार्य जारी है। अनुबंध क्रमांक 118/डी एल ऑफ 2025-26 ठेकेदार का नाम शिरोमणी माधुर दल्लिराजहरा, अनुबंध लागत 1508.23 लाख, कार्य आदेश दिनांक 24.3.26 है, उसका भी कार्य जारी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा किसानों को बिना मुआवजा दिये उनकी भूमि को सड़क में समाहित कर उसका चौड़ीकरण किया जा रहा है जबकि नियमतः विभाग को किसानों की अधिग्रहीत भूमि का पहले मुआवजा दिया जाना चाहिये था जो नहीं दिया गया जिससे उपरोक्त किसानों में काफी नाराजगी देखी गई है। इनका कहना है कि उपसंभाग कुरुद के लोक निर्माण अधिकारी का व्यवहार काफी रूखा है। वे किसानों की बात को गंभीरता से नहीं सुने। पहले तो इन किसानों ने उन्हें फोन से पूछता चाहा। लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। तब उन्होंने कार्यालय का रुख किया तो किसानों के साथ उन्होंने आपत्तिजनक व्यवहार किया। अनुविभागीय अधिकारी के इस प्रकार के आपत्तिजनक व्यवहार के चलते हम किसान लोग एक शिकायत कलेक्टर के समक्ष जुन महीने में किये हैं। लेकिन हमारी शिकायतों पर विभाग के लोगों ने किसी प्रकार की कोई बातचीत अथवा मुआवजा संबंधी कोई भी जानकारी नहीं दी। छग सरकार किसानों की सरकार है। लेकिन लोनिवि के उक्त अधिकारी के रवैये से

लगता है कि वे किसानों की सरकार की छवि धूमिल करना चाह रहे हैं। इसी वजह से उनका रवैया, आमजनों से ऐसा है। शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायत में यह भी बताया है कि उनकी भूमि का मुआवजा दिये बिना कार्यस्थल पर सड़क की खुदाई प्रारंभ कर दी है। इनका तर्क है कि भूमि का मुआवजा दिये बिना इस तरह निजी स्वामित्व वाली भूमि पर निर्माण कार्य करना नियम विरुद्ध है। विभाग के द्वारा ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति भी निर्मित हो गई है। कार्य भी कछुवा चाल से किया जा रहा है। 27 पुल, पुलिया बनाया जाना है जिसका निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है किंतु खेतों के कुछ भाग को अधिग्रहित कर उपरोक्त कार्य करवाया जा रहा है। पुल पुलिया निर्माण के लिये जो मटेरियल गिराया गया वह कुछ स्थानों पर आवागमन को अवरुद्ध कर रहा है। खुदाई किये जाने से ग्राम गोबरा, भालुकोन्हा, सिवनीकला, परसवानी की कृषि संबंधी कार्य के लिये किसानों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाली भी नहीं बनाई गई है जिसके चलते ग्रामवासियों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी की निकासी भी नहीं हो पा रही है। वर्षा ऋतु के पानी से भी ग्रामवासियों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षा का पानी घरों में घुसने से इन किसान परिवारों को पानी फेंकने रतजगा करना पड़ा है। पूर्व में की गई शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं होने के फलस्वरूप इन किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का रुख करते हुए लंबी-चौड़ी शिकायत दर्ज कराई है। लगभग चार माह से इन किसानों की सुनवाई नहीं होने के फलस्वरूप ही यह शिकायत कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत की गई है। इन किसानों ने मांग की है कि उक्त नादिराहा लोनिवि अधिकारी जो अपनी हिटलरी दिखाकर भोले भाले किसानों को धमकाकर ठेकेदार के इशारे पर कार्य कर रहे हैं, उन पर कार्यवाही की मांग की गई है।

बस संचालकों की बैठक में जिला परिवहन अधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश



महासमुंद। जिला परिवहन अधिकारी प्रतीक शुक्ला की अध्यक्षता में आज बस यूनिन के कार्यालय बस स्टैंड महासमुंद में सभी निजी संचालकों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और नियमबद्ध बनाना था। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा सभी बस संचालकों को महत्वपूर्ण विषयों पर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला परिवहन अधिकारी शुक्ला ने सभी बस संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी बसों का संचालन परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही करेंगे। समय पर बसों का परिचालन न करने या अन्य बसों को प्रभावित करने की स्थिति में सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक बस का संचालन उसके स्वीकृत रूट और परमिट में उल्लंघित शर्तों के अधीन ही होना चाहिए। रूट

उल्लंघन, बिना परमिट संचालन या क्षमता से अधिक यात्री बैठाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। सभी संचालकों को अपनी बसों का नियमित मेंटेनेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र और वैध बीमा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। अनप्टिफ पाई जाने वाली बसों के परिचालन पर तत्काल रोक लगाई जाएगी। शासन द्वारा लागू की गई नई किराया सूची का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। सभी बस संचालकों को अपनी बसों के भीतर यात्रियों को स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले स्थान पर नई किराया सूची (फेयर चार्ट) चस्पा करनी होगी। यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग

धमतरी। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनान्तर्गत शिक्षा सत्र 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा नवमी में प्रवेश के लिए विभागीय वेबसाइट <https://eklavya.cg.nic.in> पर 228 रिक्त सीट के आधार पर चतुर्थ ओपन काउंसिलिंग आगामी 17 अक्टूबर को आयोजित की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक यह काउंसिलिंग कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर ब्लॉक.5 तृतीय तल, हॉल नंबर.4 में होगी। काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को कक्षा आठवीं की अंकसूची, प्रधानपाठक द्वारा कक्षा

आठवीं में अध्ययनरत होने का सत्यापन प्रमाण पत्र, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति, निवास प्रमाण पत्र आदि आवश्यक दस्तावेज लाना अनिवार्य है। विद्यार्थी यदि विशेष पिछड़ी जनजाति रहे तो उसका प्रमाण पत्र, यदि विशेष श्रेणी से चयनित दिव्यांग, अनाथ, भूतपूर्व सैनिक के बच्चे हो तो संबंधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। काउंसिलिंग के बाद संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने पर तीन दिन के भीतर अनिवार्यतः जिला शिक्षा अधिकारी से कार्डेंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र और जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र लाना होगा।

लाईवलीहुड कॉलेज में दिया जाएगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण

धमतरी। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में टेक्सी ड्रायवर, रिटेल सेल्समैन और सुरक्षा गार्ड का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 18 से 45 वर्ष तक की आयु के अभ्यर्थी आगामी 21 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। सहायक परिचयना अधिकारी, लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि टेक्सी ड्रायवर और सेल्समैन प्रशिक्षण के लिए दसवीं पास और सुरक्षा गार्ड प्रशिक्षण के लिए आठवीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक शैक्षणिक योग्यता, निवास प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, राशनकार्ड और पासपोर्ट साईज फोटो के साथ आवेदन सिविल कोर्ट के पास स्थित लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में उपस्थित होकर जमा कर सकते हैं।

किसानों को आपसी विवाद में उलझाकर धान बेचने से वंचित करने की साजिश रच रही साय सरकार : आलोक चंद्राकर

महासमुंद। किसानों को आपसी विवाद में उलझाकर धान बेचने से वंचित करने की बड़ी साजिश भाजपा की साय सरकार रच रही है। यह आरोप कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महासचिव व जीव जंतु कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर ने लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के नए प्रयोगों से किसानों का धरती नुकसान होने वाला है और हजारों किसान धान विक्रय से वंचित हो सकते हैं। चंद्राकर ने कहा कि सरकार ने फसल प्रविष्टि को पटवारी आईडी से हटा दिया है और अब कृषि विभाग के माध्यम से डिजिटल क्राॅप सर्वे और पीवी ऐप के माध्यम से फसल सत्यापन कराया जा रहा है। इन दोनों ही व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां हैं। जो मैप प्रवैक्टर सर्वेयरों को दिया गया

है उसमें मौके और मैप के बीच 9 से 10 मीटर तक का अंतर है, जिससे गलत खेत में गलत फसल की प्रविष्टि होने की पूरी संभावना है। एक बार गलत प्रविष्टि हो गई तो वह स्थायी रूप से दर्ज हो जाएगी और भविष्य में भूमि विवाद का बड़ा कारण बनेगी। उन्होंने कहा कि गांव के केवल 50 से 60 प्रतिशत खसरे ही डिजिटल क्राॅप सर्वे के लिए उपलब्ध कराए गए हैं, कई गांवों के तो एक भी खसरे उपलब्ध नहीं हैं। जिन खसरों की उपलब्धता नहीं है वहां फसल प्रविष्टि ही नहीं होगी और बिना फसल प्रविष्टि के किसान अपना धान नहीं बेच पाएगा। जो खसरे डीसीएस से कूट गए हैं, उनके लिए पीवी ऐप लगाया गया है जिसमें हर खेत के चार कोनों का फोटो और जियो लोकेशन दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। बिना किसान की उपस्थिति और बिना सभी मिलान के यह तथ्य कक्षा असंभव है कि कौन सा खेत किसका है। जियो लोकेशन से खेत को स्वयं रूप से चिह्नित कर दिया जाएगा, बाद में यदि आपसी बंटवारा, मेड़ विवाद या कच्चे की स्थिति बनी तो किसान कहां जाएगा। चंद्राकर ने कहा कि सरकार जल्दबाजी में बिना जमीन मिलान के एक ही स्थान पर बैकुर सभी खसरों का पीवी कराने का दबाव बना रही है। यह सीधे तौर पर किसानों की भूमि के साथ खिलवाड़ है।

औचक सिमगा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, एसडीएम कार्यालय में करीब एक घंटे तक रुके



सिमगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को अचानक सिमगा पहुंचे। मुख्यमंत्री के सिमगा स्थित एसडीएम कार्यालय में करीब एक घंटे तक रुकने से स्थानीय प्रशासनिक अमले में हलचल रही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लगभग 45 मिनट तक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया। वहीं, जानकारी मिलने पर स्थानीय भाजपा नेताओं और नागरिकों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सिमगा पहुंचने के दौरान पूर्व विधायक

महाराणा प्रताप पैलेस एंड रिसॉर्ट के रास गरबा सीजन-5

प्रतिभागियों में दिखा देशभक्ति और मातृशक्ति का अद्भुत संगम

धमतरी। नवरात्रि के पावन अवसर पर महाराणा प्रताप पैलेस एंड रिसॉर्ट द्वारा आयोजित रास गरबा सीजन.5 का भव्य आयोजन इंडोर स्टेडियम में हर्षोल्लास, माता रानी की भक्ति और राष्ट्रभक्ति के अनूठे संगम के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में गरबा और डांडिया की पारंपरिक संस्कृति को देशभक्ति की थीम से जोड़कर एक विशेष स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने अपनी आकर्षक वेशभूषाएं शानदार प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण सहभागिता के अतिस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस वर्ष रास गरबा सीजन.5 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी देशभक्ति पर



आधारित अनूठी थीम रही। प्रतिभागियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज, भारत माता, अग्रजों तथा देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदान शहीदों की वेशभूषा धारण कर गरबा प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय इतिहास, वीरता, त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। पारंपरिक गरबा की धुनों के बीच देशभक्ति का यह स्वरूप उपस्थित लोगों के लिए विशेष

जागरण मंच के प्रांत युवा प्रमुख दीपक सिंह ठाकुर की भी विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ सौरभ सोनी, जिला संयोजक पुरुषोत्तम निषाद, चित्रेश साहू, अभिषेक साहू, राजा, छकेश्वर साहू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त लक्ष्मीकांत स्वर्णकार, आनंद शाहिल्य, अमरदीप महानज एवं उनकी टीम से वेद प्रकाश साहू प्रमुख रूप से शामिल हुए। वहीं अवन गजपाल, गौरव मयार और अविनाश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। रास गरबा सीजन.5 केवल नृत्य और मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, मातृशक्ति की आराधना और राष्ट्रभक्ति को एक मंच पर प्रस्तुत करने का सार्थक प्रयास रहा। शिवाजी महाराज की वीरता, भारत

कलेक्टर लंगेहे ने भोरिंग स्थित कन्या छात्रावास का किया औचक निरीक्षण



महासमुंद। कलेक्टर विनय लंगेहे ने जिले के महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम भोरिंग स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं प्री-मेट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण कर वहां की शैक्षणिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित ठेकेदार को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावासों में बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्टाफ नर्स एवं चिकित्सक से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सामान्य बीमारियों, उपचार तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए। कलेक्टर ने छात्रावास की साफ सफाई और भोजन व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों को कम मिर्च-मसाले वाला सादा, सुपाच्य एवं स्वादिष्ट भोजन परोसा

जाए, ताकि उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके साथ ही शौचालयों एवं खानागारों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा भवन में जहां भी टूट-फूट हो, उसकी तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश प्रभावी प्रचार्य महेंद्र टंडन को दिए। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में वर्ष 2022 से स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। इनमें सामूहिक किचन, मेस हॉल, अतिरिक्त कक्ष, अधीक्षक आवास, गैस्ट रूम एवं खेल मैदान सहित अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। स्वीकृति के लगभग चार वर्ष बाद भी कार्य पूर्ण नहीं होने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रगति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। विद्यालय परिसर में पेयजल की समस्या के संबंध में कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यालयन अभियंता देव कुमार वर्मा एवं सब-इंजीनियर आलोक शुक्ला को तत्काल आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अधुरे मुक्तिधाम निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

बलौदाब्बाजार-भटापारा। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत अधोसंरचना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रति जिला प्रशासन पूरी सचेद-शीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जनपद पंचायत पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत टेलकी में निर्माणाधीन मुक्तिधाम को पुनः प्रारम्भ कराते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित जनपद पंचायत एवं निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि मुक्तिधाम के शेष निर्माण कार्यों को 5 दिवस में प्रारम्भिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्रामवासियों को अंतिम संस्कार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुक्तिधाम जैसी आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण का विषय नहीं, बल्कि मानवीय सचेदनाओं, सामाजिक गरिमा एवं नागरिक सुविधाओं से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। ऐसे कार्यों के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। जिला प्रशासन ने आश्चर्य किया है कि ग्राम पंचायत टेलकी के मुक्तिधाम का निर्माण प्रारम्भिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएगा, जिससे ग्रामवासियों को समाजवाचक एवं सुविधाजनक अंतिम संस्कार स्थल उपलब्ध हो सकेगा।

कुरुद में सहा खिलाते आरोपी को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा



धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब, जुआ एवं सट्टा जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए धमतरी पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना कुरुद पुलिस ने धोबनी तालाब स्थित आंगनबाड़ी भवन के पास सट्टा.पट्टी लिखकर लोगों को हार.जीत का दांव लगवाने वाले एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कुरुद पुलिस की टीम ने धोबनी तालाब स्थित आंगनबाड़ी भवन के पास घेराबंदी कर दबिश दी। इस दौरान एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर लोगों से रुपये.पैसे लेकर हार.जीत का दांव

कश्यप पिता स्व.छबीलाल कश्यप उम्र 65 वर्ष निवासी सरोजनी चौक कुरुद। जन्म सामग्री-3100 रुपये नगद, सट्टा.पट्टी एवं अंकों का हिसाब लिखा कागज, 01 डॉट पेन। आरोपी प्रकाश कश्यप के विरुद्ध थाना कुरुद में अपराध क्रमांक 342/2026, धारा 6-क छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। धमतरी पुलिस द्वारा जिले में अवैध जुआ.सट्टा सहित अन्य असामाजिक एवं गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4.067 किलो गांजा और 130 नशीली टैबलेट जब्त

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के टिकरापारा थाना पुलिस ने सुखे नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में कुल 4.067 किलोग्राम गांजा और 130 प्रतिबंधित नशीली टैबलेट जब्त की हैं। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस उपायुक्त पश्चिम रॉबिन्सन गुड़िया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पहली कार्रवाई भाटागांव बस स्टैंड स्थित सुलभ के पास की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने अरशद खान (25), निवासी चिश्तिया नगर, टिकरापारा को पकड़ा। उसके नीले रंग के पिट्टू बैग से 2.067 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 1,03,350 रुपये बताई गई है। इस मामले में अपराध क्रमांक 963/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) में कार्रवाई की गई। दूसरी कार्रवाई भाटागांव बस स्टैंड के पास पानी टंकी के नजदीक हुई। पुलिस से अकबर खान (24) को पकड़कर उसके काले-लाल रंग के पिट्टू बैग से 2 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की कीमत एक लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में अपराध क्रमांक 965/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) में कार्रवाई की गई। तीसरी कार्रवाई हसन कॉलोनी के पीछे सरजू बांधा तालाब के पास की गई। यहां पुलिस ने एक विधि से संघर्षरत बालक को अभिरक्षा में लेकर तलाशी ली, जिसमें हद्दहद्दहद्दहद्द 10 नाम की 13 स्ट्रप से कुल 130 प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बरामद हुई। इस मामले में अपराध क्रमांक 966/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(बी) में कार्रवाई की गई। बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, तीनों मामलों में कुल 4.067 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत 2,03,350 रुपये है, और 130 नशीली टैबलेट जब्त की गई हैं। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सुखे नशे के खिलाफजीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

विकास अनुमति रद्द होते ही रेरा की कार्रवाई, बिलासपुर की ‘सौराष्ट्र’ परियोजना का रेरा पंजीयन निरस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने बिलासपुर की रियल एस्टेट परियोजना ‘सौराष्ट्र’ का रेरा पंजीयन निरस्त कर दिया है। परियोजना की स्वीकृत विकास अनुज्ञा निरस्त होने के बाद प्राधिकरण ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की। प्राधिकरण के 5 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश के अनुसार, विकास अनुमति रद्द होने के बाद परियोजना का रेरा पंजीयन जारी रखना उचित नहीं था। प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रमोटर नमन गोयल द्वारा विकसित की जा रही ‘सौराष्ट्र’ परियोजना बिलासपुर के अग्रय नगर, वार्ड क्रमांक 12 स्थित खसर नंबर 1551 में है। यह परियोजना हस्तक्षरक्रक्रम में पंजीयन क्रमांक छ्ष्टहस्तक्षरक्रक्रम61025001981 के तहत पंजीकृत थी। परियोजना को संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवेश, छत्तीसगढ़ की ओर से छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 के नियम 25 के अंतर्गत विकास अनुज्ञा प्रदान की गई थी। बाद में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह अनुमति निरस्त कर दी गई। इसके बाद हस्तक्षरक्रक्रम ने मामले की समीक्षा कर परियोजना का पंजीयन निरस्त करने का निर्णय लिया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए केवल रेरा पंजीयन ही नहीं, बल्कि वैध विकास अनुमति और अन्य आवश्यक स्वीकृतियां भी महत्वपूर्ण हैं। निर्धारित नियमों और वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन नहीं होने पर संबंधित परियोजनाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। रेरा ने आम नागरिकों, भूखंड खरीदारों और संचालित निवेशकों से अपील की है कि किसी भी रियल एस्टेट परियोजना में निवेश करने या मकान, फ्लैट अथवा भूखंड खरीदने से पहले उसके रेरा पंजीयन की वर्तमान स्थिति, स्वीकृत विकास अनुमति और अन्य आवश्यक मंजूरियों की जांच अवश्य करें।

बैंगन की खेती की ओर बढ़े फागूराम, मुनाफा 20 हजार रुपये बढ़ा

रायपुर। पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा विकासखंड के ग्राम परसाही निवासी किसान फगूराम पटेल ने ग्राफ्टेड बैंगन की खेती अपनाकर इसे साबित किया है। उद्यानिकी विभाग के सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने 0.400 हेक्टेयर में 120 किंटल बैंगन का उत्पादन किया और 55 हजार रुपये के लाभ से 20 हजार रुपये अधिक है। आधुनिक खेती से बढ़ी आमदनी फगूराम पटेल पहले मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। बेहतर आमदनी के उद्देश्य से उन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया और ग्राफ्टेड बैंगन की खेती के बारे में जानकारी ली। विभागीय मार्गदर्शन और शासकीय योजना के तहत मिले सहयोग से उन्होंने आधुनिक तकनीक अपनाते हुए सब्जी उत्पादन शुरू किया। धान की तुलना में बैंगन से अधिक मुनाफा फगूराम के अनुसार, धान की खेती में उन्हें लगभग 20 किंटल उत्पादन मिला। इससे 62 हजार रुपये की आय हुई, जबकि बीज, खाद, श्रमिक और अन्य कार्यों पर 27 हजार रुपये खर्च हुए। इस तरह उन्हें 35 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। वहीं, 0.400 हेक्टेयर में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से लगभग 120 किंटल उत्पादन मिला। इसकी बिक्री से 1 लाख 20 हजार रुपये की आय हुई और करीब 65 हजार रुपये लागत आई। खर्च घटाने के बाद उन्हें 55 हजार रुपये का शुद्ध लाभ मिला।

अबूझमाड़ के 371 गांवों में सोलर पंप से पहुंचेगा स्वच्छ पेयजल, 849 पंप स्थापित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दुर्गम वनांचल और अबूझमाड़ क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सोलर ड्रिल पंप योजना का विस्तार किया जा रहा है। जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) की संयुक्त पहल के तहत जिले के 371 गांवों एवं पाच-टोलों में 1,064 सोलर ड्रिल पंप स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से अब तक 849 पंप स्थापित किए जा चुके हैं। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और बिखरी हुई बसाहटों के कारण जिले के कई गांवों में पेयजल की उपलब्धता चुनौती बनी हुई थी। ग्रामीणों को पानी के लिए दूर जाना पड़ता था और कई स्थानों पर वे पारंपरिक जलस्रोतों पर निर्भर थे। सौर ऊर्जा से संचालित पंपों को स्थापना से इन क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की पहुंच आसान हो रही है। नेलागु, पदमकोट, जाटलूर, उसेबेड़, हरबेल, कस्तुरमेंटा-2, धुरबेड़ा और गुमरका जैसे दुर्गम गांवों में सोलर ड्रिल पंप शुरू होने से ग्रामीणों को भरो के नजदीक पानी उपलब्ध होने लगा है।

नुआखाई हमारी कृषि संस्कृति, अन्नदाता के परिश्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-मुख्यमंत्री

■ सुशासन के साथ विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सरकार का संकल्प

■ केलो परियोजना से क्षेत्र के किसानों के खेतों तक पहुंचेगा पानी, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती को मिलेगी नई मजबूती

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के केंद्र में हमारे अन्नदाता हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई

सुविधाओं का विस्तार करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि सुशासन और जनसेवा के माध्यम से विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और छत्तीसगढ़ का प्रत्येक परिवार प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायगढ़ के शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित कोलता समाज के नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय का समाजजनों ने पारंपरिक गजमाला पहनकर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मौ रणेश्वरी रामचण्डी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम कोतरलिया के चंडी डोंगरी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के



निर्माण के लिए 30 लाख रुपए तथा नगर पंचायत पुसौर में कोलता समाज के मंगल भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने बाउंड्रीवॉल निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोलता समाज सहित सभी प्रदेशवासियों को नुआखाई पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह नई

फसल के स्वागत, अन्नदाता के परिश्रम के सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और हमारी सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिले, खेती की लागत कम

हो, सिंचाई की सुविधा बढ़े और कृषि के माध्यम से परिवारों में समृद्धि आए, इसी सोच के साथ सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ अंचल के किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए केलो परियोजना का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास को नई गति देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की नई परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। सरकार का प्रयास है कि अधोसंरचना के विकास का सीधा लाभ आम नागरिकों, किसानों, युवाओं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिले। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के पक्षे धर के सपने को तेजी से साकार किया जा रहा है।

नोनी सशक्तीकरण योजना उज्ज्वल भविष्य के लिए आर्थिक संबल.....

■ 18 वर्ष पूर्ण होने पर मिलेगी एक लाख रुपये की सहायता

रायपुर/ संवाददाता

बेटियां परिवार की खुशियाँ और समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती हैं। उन्हें सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक अवसर एवं सहयोग उपलब्ध कराना समाज और शासन दोनों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। नोनी सशक्तीकरण योजना भी बेटियों के भविष्य को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण



पहल है। योजना की पात्रता संबंधी शर्तें पूरी होने पर गुड़िया को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। बेमेतरा की श्रीमती संगीता यादव के परिवार के लिए यह योजना अपनी बेटी के भविष्य को लेकर नई उम्मीद का आधार है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए परिवार अनेक सपने संजोते हैं। विशेष रूप से बेटियों

की शिक्षा, उनके व्यक्तित्व विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में नोनी सशक्तीकरण योजना के तहत मिलने वाली सहायता भविष्य में गुड़िया के सपनों को साकार करने में सहायक होगी। नोनी सशक्तीकरण योजना का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि बेटियों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में परिवारों को सहयोग मिल सके। श्रीमती संगीता यादव की बेटी गुड़िया के लिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक आधार तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

लूट एवं अवैध वसूली के पैसे से बना है कांग्रेस कार्यालय-संतोष

■ भूपेश बघेल के कार्यकाल में हुई राज्य की भारी लूट, कांग्रेस कार्यालयों को किया जाए राजसात : भाजपा

रायपुर। संवाददाता



घोटालों के माध्यम से भारी लूट मचाई गई, जिससे छत्तीसगढ़ की छवि पूरे देश में धूमिल हुई है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने गुरुवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि 3,200 करोड़ रुपये से अधिक के शराब घोटाले के मामले में 20 व्यक्तियों और 22

फर्मों/कंपनियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चालान पेश किया गया है। इस मामले में कांग्रेस कमेटियों के कोषाध्यक्ष रहे रामगोपाल अग्रवाल, यश टुटेजा, अनवर डेबर, बी.आर. लोहिया, कुमार भाई ठाकर उर्फ रंजन ठाकर (जिनके खिलाफ फरारी में चालान पेश हुआ है) सहित अन्य कई व्यक्तियों प्रवीण केडिया, राजेंद्र जायसवाल, चुनू जायसवाल, भूपेंद्र पाल सिंह भाटिया, गोल्डी भाटिया, प्रिंस भाटिया आदि और कंपनियों के नाम शामिल हैं। श्री पाण्डेय ने घोटाले के तौर-तरीकों का व्यौरा देते हुए कहा कि डिस्टिलरी संचालकों से वैध शराब की आपूर्ति पर कमीशन लेने के साथ-साथ बिना आवकरी शुल्क चुकाए अवैध शराब (पार्ट-बी शराब) तैयार कराई गई।

रायपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक बन रही है। योजना के तहत रायपुर के संजय नगर निवासी गायत्री साहू को प्रतिमाह 500 रुपये की पेंशन मिल रही है, जिससे उन्हें दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहायता मिल रही है। गायत्री साहू को आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण पहले रोजमर्रा के खर्चों का प्रबंधन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में योजना के तहत मिलने वाली नियमित पेंशन उनके लिए आर्थिक सहाय बनी है। इससे उन्हें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने और सीमित संसाधनों में खर्चों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिल रही है।

उप मुख्यमंत्री ने महिलाओं को किया प्रोत्साहित

दण्डक ब्रांड को छत्तीसकला से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने पर हुई चर्चा

■ उप मुख्यमंत्री से मिलीं माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी की सदस्य, उप मुख्यमंत्री ने एनपीओपी प्रमाणन मिलने पर दी बधाई

■ वनोपज के लिए एनपीओपी प्रमाणन प्राप्त करने वाली प्रदेश की पहली महिला किसान उत्पादक कंपनी बनी माँ दंतेश्वरी एफपीसी

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा से आज दत्तेवाड़ा सर्किट हाउस में माँ दंतेश्वरी



ऊंचाइयों तक पहुंचाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने महिलाओं से उत्पादों की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही विदेशों में निर्यात के लिए आवश्यक तैयारियां करने को कहा। श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर के प्राकृतिक वनोपज की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का लाभ स्थानीय महिलाओं और वनोपज संग्राहकों तक पहुंचाना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में

राज्य सरकार बस्तर के विकास के लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका को बढ़ावा दे रही है। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी की उपलब्धि इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बस्तर के ऐसे गांवों, जहां परंपरागत रूप से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं हुआ है, वहां के कृषि उत्पादों और वनोपज को भी निर्धारित मानकों के अनुरूप जैविक प्रमाणीकरण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिलने के साथ ही

रही हैं और सामान्य जीवन की ओर लौट रही हैं। कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला के ग्राम बोदा निवासी श्रीमती भगवती बघेल के गिरने से उनका बायां पैर फ्रैक्चर हो गया था। इस दौरान आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उन्हें जिला अस्पताल, कवर्धा में निःशुल्क इलाज की सुविधा मिली। आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार मिलने से भगवती बघेल को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई। निःशुल्क इलाज से उनके परिवार को उपचार के खर्च की चिंता से राहत मिली। उन्होंने योजना से मिली सहायता के प्रति आभार व्यक्त किया। उपचार के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और वे अब स्वयं को स्वस्थ महसूस कर रही हैं।

इलाज के लिए आर्थिक चिंता से मिली मुक्ति.....

■ आयुष्मान कार्ड से भगवती बघेल का निःशुल्क इलाज, सुधरा स्वास्थ्य

रायपुर/ संवाददाता

दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर होने पर कबीरधाम जिले के ग्राम बोदा की श्रीमती भगवती बघेल के लिए समय पर उपचार जरूरी था। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान कार्ड उनके लिए सहाय बना। जिला अस्पताल, कवर्धा में आयुष्मान भारत योजना के तहत उन्हें निःशुल्क उपचार मिला, जिससे इलाज के खर्च की चिंता से राहत मिली और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। आज वे स्वस्थ महसूस कर

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ‘बिहान’ के अंतर्गत वर्ष 2023 में दत्तेवाड़ा जिले में माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया था। कंपनी को हाल ही में वनोपज के लिए एनपीओपी प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिसे वनोपज उत्पादन के लिए यह प्रमाणन मिला है। इससे कंपनी के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएँ बढ़ी हैं। वर्तमान में कंपनी ने 1080 महिला शेरधारक प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिले के 60 उत्पादक समूहों से संबद्ध 2100 वनोपज संग्राहक दीर्घा हैं। कंपनी की गतिविधियों से लाभान्वित हो रही हैं। कंपनी के माध्यम से महिलाओं को वनोपज संग्रहण, खरीदी-बिक्री, मूल्य संवर्धन और विपणन से संबंधित आजीविका के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

संपादकीय

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की ओर से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो दर को 0.25 फीसद बढ़ाकर 5.50 फीसद करने का फैसला बढ़ती महंगाई और रुपए की विनिमय दर में गिरावट से बन रहे दबाव के कारण नीतिगत रुख में बदलाव का संकेत है।

इसमें दोराय नहीं कि वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए बड़ी चुनौती होती है। जब महंगाई का दबाव बढ़ता है और कीमतों में लगातार वृद्धि होने लगती है, तब आरबीआइ मौद्रिक नीति के माध्यम से मांग को नियंत्रित करने का प्रयास करता है। मगर इसका असर कर्ज, निवेश, रोजगार, उपभोग और आर्थिक विकास पर भी पड़ता है। रेपो दर बढ़ाने का

सबसे ज्यादा असर कर्ज के लेन-देन पर पड़ेगा। आवास एवं वाहन समेत अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं और मौजूदा कर्जदारों की मासिक किस्त भी बढ़ सकती है। यानी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को अब दोहरा संकट झेलना पड़ सकता है।आरबीआइ का यह कदम हलांकि व्यापक रूप से अपेक्षित था, लेकिन नीतिगत रुख को तटस्थ से बदलकर 'सूझ-बूझ के साथ सख्त' करने का निर्णय कुछ हद तक चौंकाने वाला

है। इससे निकट अवधि में रेपो दर में कटौती की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। करीब चार साल में पहली बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई है और आगे भी यह क्रम जारी रह सकता है। रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक आरबीआइ से कर्ज लेते हैं। जब इस दर में इजाफ़ा होता है, तो अमूमन बैंक भी लोगों के लिए ऋण पर ब्याज दर बढ़ा देते हैं।आरबीआइ का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा

है और लोग इस वक्त घर, वाहन तथा कारोबार जैसी जरूरतों के लिए बैंक से कर्ज लेने की योजना बनाते हैं। ऐसे में कर्ज पर ब्याज दर बढ़ने से या तो उन्हें अपनी योजना टालनी पड़ेगी या फिर ज्यादा मासिक किस्त चुकानी पड़ेगी, जिसका असर उनके घरेलू बजट पर भी पड़ेगा।रेपो दर बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित करने का असर मांग में कमी के रूप में सामने आता है। यदि उपभोक्ता महंगे कर्ज के कारण खर्च कम करते हैं और कंपनियां निवेश को

टालती हैं, तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग पर दबाव घट सकता है। मांग कम होने से उत्पादकों के लिए कीमतें बढ़ाना कठिन हो जाता है। मगर महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती।खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएँ, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल या भू-राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बन सकती हैं। ऐसे में रेपो दर बढ़ाने का प्रभाव सीमित हो सकता है।

एलन मस्क ने घेरा तो मोदी सरकार ने दिया करारा जवाब !

(नीरज कुमार दुबे)

भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना बेबुनियाद है।

भारत में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलैंक की शुरुआत को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एलन मस्क ने भारत में अपनी कंपनी की राह में कुछ प्रभावशाली उद्योगपतियों के रोड़े अटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये कारोबारी भारतीय जनता पर अपना एकाधिकार और नियंत्रण बनाए रखने के लिए स्टारलैंक को भारत में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मस्क ने यहां तक कह दिया कि यह भारत की जनता के खिलाफ अपराध है। लेकिन मस्क के इस बयान के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश की सुरक्षा और दूरसंचार नीति अब किसी अरबपति के सोशल मीडिया बयान से तय होगी?

उधर, भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना पूरी तरह बेबुनियाद और गलत समझ पर आधारित है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत सरकार ने साफ़ किया है कि स्टारलैंक अकेली कंपनी नहीं है जो मंजूरी की प्रक्रिया में है। सुनील भारती मित्तल समर्थित वनवेब, मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो और एलन मस्क की स्टारलैंक, तीनों कंपनियों के मामले में सुरक्षा संबंधी जांच चल रही है। सरकार के मुताबिक तीनों कंपनियां फिलहाल लगभग एक ही नियामकीय चरण में हैं। तो फिर मस्क से पहला सवाल यही पूछ जाना चाहिए कि अगर भारत सरकार तीनों कंपनियों की सुरक्षा जांच कर रही है, तो केवल स्टारलैंक को रोकने का आरोप भारत पर क्यों लगाया जा रहा है?

इस विवाद का दूसरा और बेहद अहम पहलू इसके समय से जुड़ा है। एलन मस्क का बयान ऐसे समय आया जब भारत दुनिया के सामने अपनी संचार और डिजिटल जनत की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार था। प्रथममंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दसवें संस्करण का उद्घाटन किया। दुनिया के सौ से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन में भारत की 5जी तकनीक, डिजिटल संर्षक व्यवस्था, दूरसंचार क्षेत्र की उपलब्धियों और भविष्य की संचार तकनीक को दुनिया के सामने रखा जा रहा है। जब पूरी दुनिया भारत की

संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति को देखने के लिए जुटी थी, उसी समय स्टारलैंक को लेकर मस्क का तीखा बयान सामने आया। इसलिए सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह महज एक कारोबारी असहमति थी या फिर इस बयान के समय ने भारत की तकनीकी उपलब्धियों से दुनिया का ध्यान हटाकर स्टारलैंक विवाद की तरफ मोड़ दिया? यह सवाल उठेगा ही कि भारत के सबसे बड़े दूरसंचार आयोजनों में से एक के दौरान ही इस तरह का सार्वजनिक आरोप लगाने की जरूरत आखिर एलन मस्क को क्यों पड़ी?

अब बात उस मुद्दे की, जिस पर भारत सरकार कोई समझौता नहीं करना चाहती है। वह



मुद्दा है राष्ट्रीय सुरक्षा। भारत ने स्टारलैंक को देश में आने से पूरी तरह मना नहीं किया है। कंपनी को भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने का आवश्यक लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन लाइसेंस मिलना सेवा शुरू करने की अंतिम अनुमति नहीं है। इसके बाद सुरक्षा मंजूरी, रेडियो तरंगों के आवंटन और अन्य आवश्यक नियमों का पालन करना पड़ता है। यहीं पर मस्क के आरोप की असली परीक्षा होती है।

देखा जाये तो उपग्रह आधारित इंटरनेट सामान्य इंटरनेट सेवा से अलग है। यहां केवल तेज इंटरनेट पहुंचाने का सवाल नहीं है। इसके साथ भारतीय नागरिकों के आंकड़ों की सुरक्षा, आंकड़ों को देश के भीतर रखने, संचार की वैध निगरानी, आपातकालीन परिस्थितियों में सरकारी पहुंच और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा कहां रखा जाएगा, संचार व्यवस्था पर किसका नियंत्रण होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कानून के तहत आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक जानकारी और पहुंच किस प्रकार उपलब्ध होगी?

वहीं स्टारलैंक ने भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए दावा किया है कि उसने भारत में लगभग 20 जमीन आधारित केंद्र तैयार किए हैं और भारतीय

उपयोगकर्ताओं के आंकड़ों को देश के भीतर रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था विकसित की है। कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी लॉरेन डेयर ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा कि भारत से सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद कंपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। लेकिन भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, पहले सुरक्षा, उसके बाद सेवा।

साथ ही भारत के निष्पक्ष रहिये का एक बड़ा उदाहरण खुद एलन मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला है। भारत ने टेस्ला को देश में कारोबार करने से नहीं रोका। टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला और भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की



बिक्री शुरू की। अगर भारत सरकार वास्तव में मस्क की कंपनियों के खिलाफ होती, तो टेस्ला को भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति क्यों दी जाती? लेकिन क्या कार बेचने और देश की संचार व्यवस्था का हिस्सा बनने को एक ही तरजू में तौला जा सकता है? बिल्कुल नहीं। कार एक उपभोक्ता वस्तु है, जबकि देश की संचार व्यवस्था सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा, आंकड़ों और रणनीतिक संचार से जुड़ी होती है। इसलिए दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा के अलग-अलग मानक होना स्वाभाविक है।

यही बात मस्क के आरोपों पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। अगर भारत स्टारलैंक के साथ भेदभाव कर रहा है, तो वनवेब और रिलायंस जियो भी सुरक्षा जांच की प्रक्रिया से क्यों गुजर रहे हैं? और अगर भारत किसी एक कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाना चाहता है, तो फिर मस्क की टेस्ला को भारत में कारोबार करने की अनुमति क्यों दी गई? इसमें कोई दो राय नहीं कि एलन मस्क को भारत के फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन किसी संप्रभु देश की नियामकीय प्रक्रिया पर सवाल उठाने के साथ आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण देना भी जरूरी है। केवल सोशल मीडिया पर प्रभावशाली उद्योगपतियों वाला आरोप लगा देना इस बात का प्रमाण नहीं बन जाता कि भारत की व्यवस्था

पक्षपातपूर्ण है।

भारत को विदेशी निवेश चाहिए, नई तकनीक चाहिए और दुनिया की बड़ी कंपनियों का स्वागत भी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि किसी विदेशी कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखा जाए। भारत किसी अरबपति की निजी संपत्ति नहीं है और न ही किसी कारोबारी की सोशल मीडिया टिप्पणी भारत की नीतियां तय कर सकती है। भारत अपने फैसले अपनी संप्रभुता, अपने कानून, अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करेगा। यही किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र का अधिकार है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है।

एलन मस्क को यह भी समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंता को केवल आर्थिक मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के दूसरे देशों में भी स्टार लैंक को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं। ऑस्ट्रेलिया के सरकारी सुरक्षा अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निजी उपग्रह इंटरनेट कंपनियों पर किसी देश का नियंत्रण सीमित हो सकता है। ऐसे में इन कंपनियों पर जरूरत के मुताबिक निगरानी और निर्वहन न होने से देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा हो सकता है। यूक्रेन में तो स्टार लैंक की भूमिका सीधे युद्ध और सुरक्षा से जुड़ चुकी है। अमेरिकी सरकारी जांच में पाया गया कि स्टार लैंक दोहरे उपयोग वाली तकनीक है, जिसका इस्तेमाल नागरिक संचार के साथ-साथ युद्धक्षेत्र में ड्रोन संचालन, तोपों के निशाने और सैन्य संचार के लिए भी हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में स्टार लैंक उपकरण ऐसे क्षेत्रों में पहुंच गए थे जहां उनके दुरुपयोग या चोरी का जोखिम था। यही नहीं, 2026 में यूक्रेन ने रूसी ड्रोन के लिए स्टार लैंक के अवैध इस्तेमाल को रोकने के उद्देश्य से केवल अधिकृत उपकरणों को सेवा देने की व्यवस्था लागू की। म्यांमार में भी स्टारलैंक पर गंभीर आरोप लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय जांचों में सामने आया कि मानव तस्करी और साइबर ठगी के लिए चलाए जा रहे कुख्यात ठिकानों में स्टार लैंक का इस्तेमाल हो रहा था; एक कार्रवाई में ऐसे ही एक परिसर से 30 स्टार लैंक उपकरण जब्त किए गए थे।

यहां तक कि अमेरिकी सांसदों ने भी दक्षिण-पूर्व एशिया के इन ठगी केंद्रों में स्टार लैंक के इस्तेमाल को लेकर कंपनी से जवाब मांगा है। वैसे इन घटनाओं का अर्थ यह नहीं है कि स्टार लैंक स्वयं इन अपराधों में शामिल है, लेकिन ये घटनाएं यह जरूर दिखाती हैं कि इतनी शक्तिशाली और सीमापार काम करने वाली उपग्रह इंटरनेट व्यवस्था के इस्तेमाल पर किसी देश की सरकारों नियंत्रण, निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर इतनी सतर्क क्यों हैं? ऐसे में भारत अगर अपने यहां स्टार लैंक को पूरी सुरक्षा जांच और स्पष्ट शर्तों के बाद ही अनुमति देना चाहता है, तो इसमें गलत क्या है?

सच्ची खुशी क्या है? मन की शांति और खुश रहने के सरल उपाय

(शिवम् भारद्वाज)

खुशी एक बाहरी पुरस्कार नहीं, बल्कि भीतर उत्पन्न होने वाली अनुभूति है। हम अक्सर खुश होने को किसी विशेष उपलब्धि, चाह, वस्तु या परिस्थिति से जोड़ देते हैं। मगर वास्तविक अनुभव यह बताता है कि वे सारी चीजें अस्थायी संतोष देती हैं। उनके साथ अपेक्षाएं और चिंताएं भी जुड़ी होती हैं। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो वह सुख शीघ्र ही खो जाता है। सच्ची खुशी वह होती है, जिसे हम किसी बाहरी कारण के बिना भी महसूस कर सकें। वह हमारे भीतर की गहराई में मौन होती है। इसे महसूस करना एक कला है, जिसका अभ्यास जीवन के छोटे-छोटे क्षणों में संतोष और पूर्णता लाता है।

खुशी का अनुभव पाने का पहला कदम है सचेत रहना। हम अपने अधिकांश समय में या तो अतीत के विचारों में उलझे रहते हैं या भविष्य की चिंता में खोए रहते हैं। इसी भ्रम में वर्तमान का अनुभव खो जाता है। सचेत ध्यान हमें वर्तमान से जोड़ता है। जब हम सचेत होते हैं, तो छोटी-छोटी बातों, सुबह की हवा, चाय की चुस्की, किसी के चेहरे पर मुस्कान में भी खुशी मिलती है।

यह उस जागरूकता का परिणाम है, जो हमें बताती है कि सुख और शांति पहले से उपलब्ध हैं। जरूरत है, तो केवल देखने और स्वीकारने की। मनोविज्ञान और आधुनिक शोध दोनों बताते हैं कि नियमित रूप से आभार व्यक्त करने वाले लोग अधिक प्रसन्न और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। आभार केवल सकारात्मक सोच नहीं है। यह यथार्थ की प्रशंसा करने का तरीका है, जिससे मन अधिक केंद्रित और खुश रहता है।

मानव होने का अर्थ ही सामाजिक जुड़ाव है। प्रेम, अपनापन और दोस्ती की गमाहट दिल को तृप्त करती है। पर स्नेहपूर्ण संबंधों में खुशी तब स्थायी बनती है, जब वे पारदर्शी, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण हों। सक्रिय रूप से सुनना, बिना निर्णय के ध्यान देना और छोटे कृत्यों से प्रेम जाहिर करना, मदद करना या समय देना रिश्तों को गहरा और स्थायी बनाता है। अकेलापन और सामाजिक असमर्थता आज के युग की बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए किसी समुदाय या परिवार के साथ वास्तविक जुड़ाव पैदा करना खुशी के अनुभव को मजबूत करता है।

लक्ष्य और अर्थ का अस्तित्व भी खुशी को गहरा करता है। केवल सुख-सुविधा की खोज अक्सर खालीपन छोड़ जाती है, लेकिन एक अर्थपूर्ण उद्देश्य है किसी काम से जुड़ना, जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हो। यह उद्देश्य बढ़ा भी हो सकता है और छोटा भी। किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी कला को सीखना, बच्चों को पढ़ाना या अपने क्षेत्र में सामाजिक कार्य करना- ये सब जीवन में अर्थ और संतुष्टि भरते हैं। जब व्यक्ति अपने कार्य में परिपूर्णता और कर्म का अनुभव करता है, तब खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रहती।

खुशी को महसूस करने का एक और सरल, लेकिन गहरा तरीका है अपने विचारों की निगरानी करना। नकारात्मक धारणा और आत्म-आलोचना अक्सर खुशी के स्रोतों को छिन्न लेती हैं। स्वयं के प्रति दयालु बनना चाहिए, जैसे हम किसी मित्र के साथ व्यवहार करते हैं, वैसे ही अपने साथ व्यवहार करने की जरूरत है। जब मन में नकारात्मक विचार आएँ, तो उन्हें पहचानना तथा सच्चे और संतुलित विचारों से बदलने का अभ्यास करना चाहिए।

कला, संगीत और प्रकृति में डूब जाना भी खुशी को सीधे खोलें रखता है। संगीत के सुर, कविता की भाषा, किसी चित्र के रंग या पेड़ों की छांव- ये तीनों मन को तात्कालिक आनंद और आराम देते हैं। इन अनुभवों में प्रवेश करने के लिए बड़ी तैयारी की जरूरत नहीं। कभी-कभी पांच मिनट का गीत सुनना या खिड़की खोलकर बाहर की हवा में सांस लेना ठीक उतना ही असरदार होता है, जितना कोई लंबा प्रवास।

प्रकृति के साथ संबंध विशेषकर हमारे भीतर के सामंजस्य को जगाता है और एक शांत आनंद देता है, जो घड़ी के टिक-टिक से परे होता है। वस्तुओं और उपलब्धियों का मोह कम करना भी खुशी की कुंजी है। जब हम अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच स्पष्ट अंतर कर लेते हैं, तभी असली संतोष संभव होता है। सरलता का जीवन अपनाने का अर्थ है समझदारी से चयन करना और उन चीजों को महत्व देना, जो सच्चा आनंद देती हैं।

समय के साथ अनुकूलन का विचार भी समझना जरूरी है। मनुष्य की प्रवृत्ति है नए अनुभवों के साथ शीघ्र ही अभ्यस्त हो जाना। नया घर, नई कार, नई उन्नति शुरुआत में खुशी देते हैं, पर समय के साथ उनकी तीव्रता घट जाती है।

बोस्निया की मतदान प्रक्रिया में ऐसा क्या है, जो भारत के लिए बन सकता है मिसाल?

बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्व अलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है। दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्व-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी।

(पुष्परंजन)

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं। हाल ही में बोस्निया-हर्जोगोविना में जिस तरह से मतपत्रों के जरिए चुनाव हुआ, क्या वह भारत के लिए आदर्श बन सकता है? बोस्निया ने इस बार के चुनाव में मतदान के लिए डिजिटल स्कैनर और बायोमेट्रिक मतपत्रों का इस्तेमाल किया। बाल्कन प्रायद्वीप पर अवस्थित इस देश को 'बोस्निया और हर्जोगोविना' भी कहते हैं। यूरोपीय संघ की शर्त है कि जो भी इसका सदस्य बनने का आकांक्षी है, वह चुनावों में पहले मतपत्र या बैलेट पेपर के जरिए मतदान कराए।

बोस्निया में आम चुनाव के लिए तेरह अगस्त की सुबह मतदान शुरू हुआ। इस देश में कई अलग-अलग जातीय समूहों के लोग रहते हैं और ज्यादातर नागरिक रोजमर्रा की समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं, जबकि कुछ मुख्यधारा के नेता युद्ध के समय के तनाव को फिर से हवा दे रहे हैं। इन तनावों ने 1992-95 के भयावक संघर्ष के बाद से ही देश को विभाजित कर रखा है।

बोस्निया में लगभग 34 लाख (3.4 मिलियन) मतदाता देश की मिली-जुली जातीय संरचना वाली प्रेसिडेंसी के तीन सदस्यों, राष्ट्रीय संसद के सांसदों और देश के दो हिस्सों के संस्थानों के प्रमुखों को चुन रहे हैं। ये दो हिस्से हैं- मुस्लिम-बहुसंख्यक 'फेडरेशन आफ बोस्निया एंड हर्जोगोविना' और 'रिपब्लिका सर्पस्का', जहां जातीय सबों का दबदबा है।

बोस्निया में शासन करने वाले संस्थानों का एक जटिल ढांचा है। इसे वर्ष 1995 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए शांति समझौते के तहत बनाया गया था। इसका मकसद मुस्लिम बोस्नियाक, ऑर्थोडॉक्स सब और कैथोलिक क्रोट समुदायों के बीच जातीय

मतभेदों को संभालना था, जिनकी वजह से युद्ध हुआ था।

बोस्निया इस समय वैश्विक ताकतों के बीच प्रभाव बढ़ाने का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। चुनाव के नतीजे इस क्षेत्र में अमेरिका और रूस के भू-राजनीतिक प्रभाव को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकते हैं। चुनाव लड़ रही बोस्निया की ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां देश के सब-नियंत्रित रिपब्लिका सर्पस्का और बायोमेट्रिक क्रोएट फेडरेशन आफ बोस्निया-हर्जोगोविना में जातीय आधार पर बनी हैं। ये दोनों हिस्से केंद्रीय प्रेसिडेंसी और संसद के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

बोस्नियाक राष्ट्रवादी पार्टी आफ डेमोक्रेटिक एक्शन ने अपना अभियान सर्व अलगाववाद के खिलाफ बोस्निया को एकजुट रखने की कोशिशों पर केंद्रित किया है। बोस्नियाई क्रोट भी ज्यादातर अपनी जातीय पार्टियों का समर्थन करते हैं, जिनमें क्रोएशिया की सत्ताधारी कंजर्वेटिव क्रोएशियन डेमोक्रेटिक यूनियन की बोस्नियाई शाखा भी शामिल है।

दरअसल, यूरोप के सबसे गरीब देशों में से एक है बोस्निया। वर्ष 1992 में जातीय लड़ाई तब शुरू हुई, जब बोस्निया ने सर्व-नेतृत्व वाले पूर्व यूगोस्लाविया से आजादी की घोषणा की थी। जातीय सबों ने अपना अलग राज्य बनाने और सबंधा में शामिल होने के लिए हथियार उठा लिए थे। इस संघर्ष में एक लाख से ज्यादा लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए थे। बहरखाल, बोस्निया और हर्जोगोविना के केंद्रीय चुनाव आयोग के अनुसार, आधिकारिक और अंतिम चुनाव परिणाम 20 नवंबर, 2026 तक जारी कर दिए जाएंगे।

बहरखाल, इस समय विमर्श का विषय यह है कि जिस इलेक्ट्रॉनिक पहचान के साथ बोस्निया में मतपत्र के जरिए मतदान हुआ है, वह कितना सुरक्षित है? हलांकि, यह चुनावी धांधली रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक बेहद मजबूत कदम साबित हुआ है। बायोमेट्रिक पहचान से एक व्यक्ति द्वारा दूसरे के नाम पर



या मृत लोगों के नाम पर फजीं वोट डालने की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाती है। चूंकि मतदान आखिर भौतिक मतपत्र (फिजिकल बैलेट पेपर) पर ही होता है, इसलिए किसी भी तकनीकी खराबी या साइबर हमले की स्थिति में भीतिक मतपत्रों की दोबारा समायोज्य तरीके से गिनती की जा सकती है। यह पूरी तरह से डिजिटल या ऑनलाइन मतदान के मुकाबले कहीं अधिक सुरक्षित है। इस संबंध में बोस्निया और हर्जोगोविना के केंद्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष जोजेब कालाबा का बयान उल्लेखनीय है कि बायोमेट्रिक्स से छद्म मतदान की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाती है, जबकि स्कैनर मानवीय दखल और जानबूझकर गिनती में होने वाली

गलतियों को रोकते हैं, जिससे मतदान केंद्र बंद होने के तुरंत बाद शुरुआती नतीजे मिल जाते हैं।

जहिर है, अनिवार्यताओं की न्यूनतम गुंजाइश किसी चुनाव की शुचितता और विश्वसनीयता को कायम रखने के लिए जरूरी है। पोड लुपोम बोस्निया और हर्जोगोविना स्थित एक प्रमुख स्वतंत्र नागरिक गठबंधन है। पोड लुपोम के शोध से पता चलता है कि बोस्निया और हर्जोगोविना के लगभग चालीस फीसद नागरिकों को अपने वोट को लेकर किसी न किसी तरह के दबाव का सामना करना पड़ा है। नई प्रक्रिया में मतदाता की पहचान को मतदान केंद्र का अधिकारी 'बास्कोड रीडर' से स्कैन करता है। फिंगरप्रिंट स्कैनर यानी अंगुलियों के निशान से वोटर की पहचान की पुष्टि मतदाता सूची के रिकॉर्ड से होती है। इस प्रणाली में पहचान की पुष्टि होने के बाद ही मतदाता को मतपत्र मिलते हैं। मतपत्र का डिजाइन भी बदला गया है। मतदाता को अपनी पर्सद की पार्टी या उम्मीदवार के बगल में बने गोले को पूरी तरह से भरना होगा, न कि 'एक्स' का निशान लगाना होगा। एक खास बात यह भी है कि मतपत्र पर

उम्मीदवारों के नाम नहीं होंगे। इसके बजाय पार्टियों और उम्मीदवारों के नंबर लिखेंगे। नाम एक अलग आकाशी वाले पत्र पर दर्ज होंगे। अब सवाल है कि अगर कभी भारत की चुनाव प्रक्रिया में मतपत्र की वापसी हुई, तो वोट देने वाली आम जनता के लिए ऐसी प्रक्रिया कितनी सुगम होगी! भारत में आज चुनावों में कागजी मतपत्र का आखिरी प्रयोग वर्ष 1999 में किया गया था। इसके बाद 2004 के चौदहवें लोकसभा चुनाव से देश की सभी 543 संसदीय सीटों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को अनिवार्य रूप से लागू करने के साथ मतपत्र से मतदान की प्रणाली को समाप्त कर दिया गया था।

राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में बारगांव देवरी के 4 खिलाड़ियों का हुआ चयन, दुर्ग जोन का करेंगे प्रतिनिधित्व

अंडर 14 वर्ष बालक/ बालिका में भूषण साहू,प्रकाश प्रजापति,गूंजा साहू, अनन्या निषाद करेंगी अपने खेल का प्रदर्शन

बेमेतरा। रायपुर में आयोजित होने जा रही 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता के लिए बेरला ब्लॉक के ग्राम बारगांव और देवरी से 4 प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तर पर हुआ है,यह प्रतियोगिता दिनांक 15 से 18 अक्टूबर 2026 तक रायपुर में खेली जाएगी,चर्चनित खिलाड़ी अंडर-14 (बालक/ बालिका) वर्ग में दुर्ग जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने खेल कोशल का प्रदर्शन करेंगे, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव में पदस्थ व्यायाम शिक्षिका एवं कोच तुलसी साहू के कुशल मार्गदर्शन में सभी प्रतिभावान खिलाड़ी खेल की बारिकियों का प्रशिक्षण ले रहे हैं और सुबह-शाम मैदान पर पसीना बहाकर खिलाड़ी राज्य स्तर पर जीत हासिल करने के लिए जी-तोड़ तैयारी कर रहे हैं सभी खिलाड़ियों ने राजनांदागांव में आयोजित संभाग स्तरीय चयन प्रतियोगिता में अपने उम्दा खेल का



दमदार प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर इनका चयन राज्य स्तर के लिए किया गया है,चर्चनित खिलाड़ियों में बालक वर्ग (अंडर-14) में भूषण साहू (कक्षा 8वीं, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला देवरी),प्रकाश प्रजापति (कक्षा 8वीं, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बारगांव) एवं बालिका वर्ग (अंडर-14) में गूंजा साहू (कक्षा 9वीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय बारगांव),अनन्या निषाद (कक्षा 8वीं, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बारगांव) हैं। संकुल के बच्चों का राज्य स्तर पर चुना जाना गौरवशाली क्षण संकुल समन्वयक सुरेन्द्र पटेल ने कहा कि हमारे संकुल अंतर्गत ग्राम बारगांव और देवरी के शासकीय विद्यालयों से चार विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चुना जाना पूरे अंचल के लिए एक

प्रतिभाओं का राज्य स्तर पर चयन ऐतिहासिक उपलब्धि

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्याम सिंह ने कहा कि -हमारे विद्यालय और अंचल के खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन होना बेहद गौरवपूर्ण उपलब्धि है, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है,हमारी विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका कोच तुलसी साहू की कड़ी मेहनत और बच्चों के अनुशासित अभ्यास के कारण आज यह सफलता मिली है, मुझे पूरा विश्वास है कि ये खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दुर्ग जोन और हमारे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे

बच्चे राज्य स्तर पर लहराएंगे परचम

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए व्यायाम शिक्षिका एवं कोच तुलसी साहू ने कहा कि इन बच्चों ने मैदान पर अपनी कड़ी मेहनत,अनुशासन और लगन से यह मुकाम हासिल किया है,राजनांदागांव में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद सराहनीय था,राज्य स्तर पर दुर्ग जोन का प्रतिनिधित्व करना हमारे स्कूल और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है,मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी रायपुर में भी अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और सफलता का परचम लहराएंगे

ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है, ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर इन बच्चों ने अपनी कड़ी और कोच तुलसी साहू के बेहतरीन प्रशिक्षण की बदौलत यह मुकाम

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा में मां महामाया और मां विंध्यवासिनी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की



मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में निर्माणाधीन ज्योति कलश भवन का किया निरीक्षण

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज नवरात्रि के अवसर पर कबीरधाम जिले के विभिन्न देवी मंदिरों में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। उन्होंने कवर्धा स्थित प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर और मां विंध्यवासिनी मंदिर

पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सर्वप्रथम मां महामाया मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने मां विंध्यवासिनी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश एवं कबीरधाम जिले की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में निर्माणाधीन ज्योति कलश भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने भवन निर्माण से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। ज्योति कलश भवन के निर्माण से मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में सहायता मिलेगी। छिपानी कॉलोनी के मां दुर्गा पंडाल में किए दर्शन- उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा के छिपानी कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंडाल पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात भी की।

नोनी सशक्तिकरण योजना से गुड़िया के उज्ज्वल भविष्य को मिलेगा आर्थिक संबल

बेमेतरा। बेटियां परिवार की खुशियों और समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती हैं। उन्हें सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक अवसर एवं सहयोग उपलब्ध कराना समाज और शासन दोनों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। नोनी सशक्तिकरण योजना भी बेटियों के भविष्य को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से बेमेतरा की निवासी संगीता यादव की बेटी गुड़िया के भविष्य के लिए आर्थिक सहायता का प्रावधान है। योजना की पात्रता संबंधी शर्तें पूरी होने पर गुड़िया को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। संगीता यादव के परिवार के लिए यह योजना अपनी बेटी के भविष्य को



लेकर नई उम्मीद का आधार है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए परिवार अनेक सपने संजोते हैं। विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा, उनके व्यक्ति विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत मिलने वाली सहायता भविष्य में गुड़िया के सपनों को साकार करने में सहायक हो सकती है। बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में पहल-नोनी सशक्तिकरण योजना का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध

कराना है, ताकि बेटियों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में परिवारों को सहयोग मिल सके। संगीता यादव की बेटी गुड़िया के लिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक आधार तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इससे परिवार को बेटी के भविष्य की योजनाएं बनाने में सहयोग मिलने की उम्मीद है। बेटियों को शिक्षा और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। जब परिवारों को बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिलता है, तब वे उनके बेहतर कल के लिए अधिक योजनाबद्ध तरीके से प्रयास कर सकते हैं। ऐसी योजनाएं बेटियों के सम्मान, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करने में सहायक होती हैं। आर्थिक संबल से साकार होंगे

बेहतर भविष्य के सपने- संगीता यादव की बेटी गुड़िया के लिए योजना के अंतर्गत निर्धारित सहायता भविष्य में उसकी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में उपयोगी साबित हो सकती है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद मिलने वाली एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता उसके आगे के जीवन की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण संबल बन सकती है। इससे परिवार को गुड़िया के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। जनकल्याणकारी योजनाओं की सार्थकता तभी सुनिश्चित होती है, जब पात्र हितग्राहियों तक उनकी जानकारी पहुंचे और वे निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से लाभ प्राप्त कर सकें। इसी दृष्टि से योजनाओं के प्रति जागरूकता और पात्र परिवारों तक जानकारी पहुंचाना महत्वपूर्ण है, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की सहायता से वंचित न रहे।

नगर पालिका डोंगरगांव स्वयं करेगा रावण दहन जनमहोत्सव समिति के माध्यम से होगा आयोजन



निशांत उत्सव समिति के पीछे हटने के बाद निर्णय

डोंगरगांव। नगर में दशहरा उत्सव अंतर्गत रावण दहन का आयोजन 20 अक्टूबर को कालेज मैदान में होगा। हालांकि एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद अब आयोजन समिति बदल गई है। अब तक नगर पालिका डोंगरगांव के ही सहयोग से दशहरा उत्सव का आयोजन करते आ रही निशांत दशहरा उत्सव

कार्यक्रम के साथ ही रामलोला का मंचन होगा। इसके अलावा नगर में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि वार्ड के सिद्धी विनायक गणेश परिवार एवं

जनसहयोग से 51 फीट रावण का दहन होगा। निरीक्षण दौरान दीना पटेल, हेमंत चोपड़ा, गुलशन हिरवानी, पुरुषोत्तम साहू, रामकुमार व समस्त पार्षदगण शामिल थे।

भाजपा के दूसरे गुट को कमान ये कलाकार देंगे अपनी प्रस्तुति

नगर में दशहरा उत्सव का आयोजन नगर पालिका परिषद के आर्थिक सहयोग सहित अन्य समाजसेवियों के सहयोग से होता है। अब तक निशांत समिति द्वारा निकाय के ही सहयोग से आयोजन की जिम्मेदारी उठाई जा रही थी, लेकिन अब कथित तौर पर जिम्मेदारी छेड़ने के बाद नगर पालिका डोंगरगांव ने स्वयं आयोजन का बीड़ा उठते हुए जनमहोत्सव समिति बनाई है। इस समिति में भी अधिकतर भाजपाई चेहरे ही शामिल हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल व महासचिव हेमन्त चोपड़ा ने बताया कि दशहरा उत्सव अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक मंजरी रायपुर की प्रस्तुति होगी। उक्त टीम में छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार डेविड निराला, अभिषेक सोनकर, गरिमा ठाकुर, कामता वैष्णव तथा निरंजन साहू की शानदार प्रस्तुति होगी। उक्त आयोजन शाम 6 बजे से कालेज मैदान में प्रारंभ हो जायेगा।

3 जुआड़ियों से नगदी 11 हजार 3 मोबाईल, 5 मोटर सायकल जप्त

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, जुआ, सट्टा सहित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिस अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 13 अक्टूबर 2026 को प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी खण्डसरा सहायक उप निरीक्षक कंवल सिंह नेताम एवं चौकी खण्डसरा पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सूचना पर बड़े खजरी तालाब ग्राम बेरा में रेंड कार्यवाही कर 03 जुआड़ी से नगदी रकम 11,100/- रुपये, 03 नग मोबाईल कीमती करीब 22,000/- रुपये, 05 नग मोटर



सायकल कीमती करीबन 2,45,000/- रुपये, कुल जुमला कीमती लगभग 2,78,100/- रुपये एवं 52 पत्ती तास जप्त किया गया। 13 अक्टूबर 2026 को चौकी खण्डसरा पुलिस टीम को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ जुआड़ीयान ग्राम बेरा में बड़े खजरी तालाब पार के पास तास पत्ती पर

रुपये पैसो का दांव लगाकर हारजीत का जुआ खेल रहे हैं कि सूचना पर साइबर सेल एवं चौकी खण्डसरा पुलिस टीम के द्वारा सूचना के अधार पर बड़े खजरी तालाब पार ग्राम बेरा में रेंड कार्यवाही किया गया, रेंड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 03 जुआड़ी पकड़े गए।

नवरात्रि पर अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम, 25 फीट ऊंचे भव्य शिवलिंग, गुफा और नौ चैतन्य देवियों की अलौकिक झांकी का भव्य शुभारंभ

बेमेतरा। नवरात्रि के पावन अवसर पर बेमेतरा शहर में धर्म, अध्यात्म, कला और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, बेमेतरा सेवा केंद्र द्वारा आयोजित 25 फीट ऊंचे भव्य शिवलिंग, आकर्षक गुफा तथा नौ चैतन्य देवियों की अलौकिक झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नवरात्रि के दूसरे दिन इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन का शुभारंभ बेमेतरा के पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, डॉ. आशीष दानी, पत्रकार दिनेश दुबे, किशोर तिवारी एवं मती



मनिषा तिवारी राजेश दत्त दुबे की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच अतिथियों ने शिवलिंग एवं चैतन्य देवियों की झांकी के दर्शन कर आयोजन की सराहना की। दीप प्रज्वलन और आरती के साथ हुआ भव्य शुभारंभ- कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात श्रद्धापूर्वक आरती की गई और परमात्मा शिव तथा देवी शक्ति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की गई।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने 25 फीट ऊंचे भव्य शिवलिंग, गुफा तथा नौ चैतन्य देवियों की आकर्षक झांकी का अवलोकन किया। झांकी में धार्मिक आस्था के साथ कलात्मक प्रस्तुति और ध्वनि एवं प्रकाश के सुंदर संयोजन को विशेष महत्व दिया गया है। विशाल शिवलिंग की भव्यता और गुफा के भीतर नौ देवियों की सजीव एवं प्रस्तुति श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस अवसर पर धर्म और अध्यात्म के माध्यम से समाज में सकारात्मक विचारों, सद्भावना, नैतिक मूल्यों

और मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करने के महत्व पर भी ध्यान आकर्षित हुआ। नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना के साथ-साथ मनुष्य के भीतर छिपी सकारात्मक शक्तियों को जागृत करने का अवसर भी प्रदान करता है। आयोजन की सबसे प्रमुख विशेषताओं में 25 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग शामिल है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भगवान शिव भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शांति, कल्याण, तपस्या, वैराग्य और आत्मिक शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं।

जनमन आवास में 3.20 लाख की कथित ठगी, ठेकेदार पर एफआईआर, दूसरे गांवों में भी उठे सवाल

कवर्धा। जिले में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत आवास निर्माण के नाम पर पांच हितग्राहियों से कथित तौर पर 3 लाख 20 हजार रुपये लेने का मामला सामने आया है। बोल्ला विकासखंड की ग्राम पंचायत राजाद्वार के पांच हितग्राहियों की लिखित शिकायत पर चिल्बे पुलिस ने ठेकेदार कुमार मेरावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 318(4) के तहत एफ आईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आवासों का निर्माण नहीं कराया गया और पैसे वापस मांगने पर भी रशि नहीं लौटाई गई। मामले में आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। शिकायत में बताई गई राशि के मूलांकिक, देवसिंह से 60 हजार रुपये, मंधोर बाई से 60 हजार रुपये, पुसिया बाई से 60 हजार रुपये, कोरुल्ला बाई से 80 हजार रुपये और ननकी बाई से 60 हजार रुपये लिए जाने का आरोप है। इस तहत कुल रकम 3 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने पांचों



हितग्राहियों की लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। आरोपों की वास्तविकता, रकम के लेन-देन की परिस्थितियों और संबंधित पक्षों की भूमिका का निर्धारण जांच के निष्कर्षों के आधार पर होगा। पंडरिया की पंचायतों को लेकर भी उठे सवाल- कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत कांदावानी, बिरहुलडीह और तेलियापानी सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में



भी आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन पंचायतों से संबंधित शिकायतों की संख्या, आवास निर्माण की वास्तविक स्थिति और संपादित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इन क्षेत्रों की स्थिति स्पष्ट करने के लिए संबंधित पंचायतों में स्विकृत आवासों, निर्माण की प्रगति, हितग्राहियों की जारी किस्तों और

मौके पर मौजूद निर्माण कार्यों का सत्यापन आवश्यक है। यदि अनियमितता की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जा सकती है। जांच के साथ जवाबदेही तय करना भी जरूरी-राजाद्वार प्रकरण में पुलिस जांच के जरिए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल महत्वपूर्ण होगी। साथ ही, प्रशासन के लिए यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि



पात्र हितग्राहियों के आवास निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे हों और योजना की राशि का उपयोग नियमानुसार हो। पंडरिया विकासखंड की पंचायतों को लेकर सामने आ रहे सवालों पर भी संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट किए जाने की अपेक्षा है। शिकायतों की जांच, आवास निर्माण का भौतिक सत्यापन और हितग्राहियों की समस्याओं का

निराकरण योजना के उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। फ्लिहाल, राजाद्वार के मामले में एफआईआर दर्ज होना एक पुष्ट कानूनी घटनाक्रम है, जबकि ठगी के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। अन्य पंचायतों से जुड़ी शिकायतों पर भी आधिकारिक जानकारी और स्वतंत्र सत्यापन के आधार पर ही निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए।

पांच हितग्राहियों ने लगाए रकम लेने के आरोप-

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ताओं में देवसिंह पिता गौचरण, मंधोर बाई पति भोभलाल, पुसिया बाई पति सिरपू बैगा, कोरुल्ला बाई पति जेटू बैगा और ननकी बाई पति गहरू शामिल हैं। सभी ग्राम पंचायत राजाद्वार के निवासी बताए गए हैं। शिकायत में ठेकेदार कुमार मेरावी, निवासी ग्राम शीतलपानी, ग्राम पंचायत डोलबज्जा, पर आवास निर्माण के नाम पर रकम लेने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी उनके आवासों का निर्माण नहीं हुआ और कथित तौर पर दी गई रकम वापस नहीं मिली।

योजना के क्रियान्वयन और निगरानी पर सवाल

प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के पात्र परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। इसके तहत पात्र परिवारों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आवास निर्माण के लिए सहायता दी जाती है। ऐसे में आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों से रकम लेने और निर्माण नहीं होने की शिकायतें योजना के क्रियान्वयन तथा निगरानी व्यवस्था की जांच की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। हालांकि, एक मामले के आधार पर पूरे जिले में योजना के क्रियान्वयन पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। प्रशासन की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना क्रमिक और प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत अनियमितताओं पर कार्रवाई किए जाने के निर्देशों का उल्लेख भी सामने आया है। राजाद्वार के मामले में एफआईआर दर्ज होना शिकायत पर की गई कानूनी कार्रवाई है; इसे आरोपों का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमनगर में सूचना का अधिकार के संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न



सूरजपुर/ प्रेमनगर:- जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा ऋझु ऑनलाइन पोर्टल के सुचारु संचालन के उद्देश्य से विकासखंड प्रेमनगर में 15 एवं 16 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत सभाकक्ष प्रेमनगर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर सूरजपुर रेना जमील के निदेशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के पदनामित जन सूचना अधिकारियों (ऋझु) एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों (खह) को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों तथा ऑनलाइन पोर्टल की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर पी.सी. सोनी प्राचार्य, डी.एस. लकड़ा प्राचार्य साथ में ब्लॉक मास्टर ट्रेनर सुरेश कुमार गुप्ता शिक्षक एवं कृष्ण कुमार ध्व व्याख्याता ने प्रशिक्षणार्थियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, जन सूचना अधिकारियों की जिम्मेदारियों, आवेदन प्रक्रिया तथा ऋझु ऑनलाइन पोर्टल के सुचारु संचालन के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। बता दें कि प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य विभिन्न विभागों में पदनामित जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ना तथा ऋझु ऑनलाइन पोर्टल पर उनकी अनबोर्डिंग को प्रक्रिया संपन्न कराना था। इसके माध्यम से सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक जवाबदेही को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड प्रेमनगर के समस्त ग्राम पंचायत सचिव, सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्य तथा शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालक सहित संबंधित जन सूचना अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अधिनियम के प्रावधानों का नियमानुसार पालन करने तथा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सूचना संबंधी कार्यों का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय प्रतिनिधियों की कार्यक्षमता बढ़ने, सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन को सरल एवं सुगम बनाने तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

100 बिस्तर अस्पताल का दर्जा मिला, सुविधाओं का इंतजार; रामानुजगंज में नए भवन की मांग तेज

रामानुजगंज । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तर अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद क्षेत्रवासियों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद जगी है। हालांकि, अस्पताल में बड़ी हुई क्षमता के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की जरूरत अब भी बनी हुई है। ऐसे में अस्पताल के लिए नए भवन के निर्माण की मांग तेज होने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त जगह, चिकित्सा उपकरण और जरूरी संसाधनों के बिना 100 बिस्तर अस्पताल की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण होगा। रामानुजगंज का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपचार के लिए यहां बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, जिससे अस्पताल पर दबाव बना रहता है। अस्पताल को 100 बिस्तर की क्षमता के अनुरूप उन्नत किए जाने से मरीजों को बेहतर उपचार, भर्ती की पर्याप्त सुविधा और अन्य चिकित्सा सेवाएं मिलने की उम्मीद है। लेकिन इसके लिए केवल दर्जा बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। उसी अनुपात में भवन, वार्ड, चिकित्सा उपकरण और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी है। 100 बिस्तर अस्पताल के संचालन के लिए पर्याप्त जगह के साथ व्यवस्थित चिकित्सा ढांचा आवश्यक है। मरीजों के लिए अलग-अलग वार्ड, पुरुष और महिला मरीजों के भर्ती कक्ष, प्रसूति सेवाएं, जांच केंद्र तथा चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए जरूरी कक्ष उपलब्ध होने चाहिए। इसके अलावा पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मौजूदा भवन में उपलब्ध जगह और उसकी संरचनात्मक सीमाओं को देखते हुए सभी आवश्यक सुविधाओं का विस्तार करना कठिन हो सकता है। ऐसे में 100 बिस्तर की क्षमता के अनुरूप नए भवन का निर्माण जरूरी माना जा रहा है। नए भवन से न केवल मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाली जरूरतों को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन भी अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कार्यक्षेत्र बढ़ा देने के कारण यहां बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल...

पेनाल्टी शूटआउट में एफसी क्लब बलराम पुर ने मारी बाजी

- शंकर नगर निवास पर आत्मीय भेंट कर दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की
- डॉ. रमन सिंह का अनुभव और मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ के विकास एवं जनसेवा के लिए अमूल्य: अग्रवाल

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के शंकर नगर निस्थ निवास पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से आत्मीय भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने डॉ. रमन सिंह के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु,

सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने संस्कृत के मंगलवाक्य ‘जीवेत शरदः शतम्’ के साथ डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ, सुदीर्घ एवं यशस्वी जीवन प्रदान करें। वे इसी प्रकार जनसेवा, समाज कल्याण और छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करते रहें तथा उनका स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को मिलता रहे। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का लंबा राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को सदैव प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल में प्रदेश के विकास को नई दिशा मिली और विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों के माध्यम से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किए गए। श्री अग्रवाल ने कहा कि



डॉ. रमन सिंह का सरल, सहज एवं आत्मीय व्यक्तित्व तथा जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सार्वजनिक जीवन में कार्य करने वाले सभी लोगों

के लिए प्रेरणादायी है। उनका अनुभव, दूरदर्शिता और मार्गदर्शन प्रदेश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के रूप में वे लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय मर्यादाओं एवं संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों का अनुभव और मार्गदर्शन नई पीढ़ी के जनप्रतिनिधियों को जनसेवा के प्रति और अधिक समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। डॉ. रमन सिंह का स्नेह और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणास्रोत रहा है। श्री अग्रवाल ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि डॉ. रमन सिंह के जीवन में सदैव सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। वे स्वस्थ एवं दीर्घायु रहकर छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा करते रहें और प्रदेश को उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन का लाभ निरंतर मिलता रहे।

रामानुजगंज । ग्राम धनगांव स्थित जय मां काली स्टेडियम में आयोजित स्वामी विवेकानंद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन 14 अक्टूबर को रोमांचक फ़इनल मुकाबले के साथ हुआ। खिताबी मुकाबले में एफसी क्लब बलरामपुर ने मेजबान धनगांव टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों गोल करने में नाकाम रहें। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट से मैच का फैसला हुआ। 6 अक्टूबर से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फ़इनल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते रहे। मुख्य अतिथि रमन अग्रवाल ने बढ़ावा खिलाड़ियों का उत्साह कार्यक्रम में रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

‘युवा उड़ान 2026’ का आयोजन, युवाओं को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ने पर जोर

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से यातायात नियमों...नशा मुक्ति और युवा राजवीर योजना का दिया गया संदेश

- राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत विजन /2047’ से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज मल्टीपर्पज स्कूल पेण्ड्रा के असेंबली हॉल में ‘युवा उड़ान 2026’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर के मुख्य

आतिथ्य में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उषेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के, सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि ‘युवा उड़ान’ कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अगस्त 2026 को बीजापुर से हुआ है। आज 21वें जिले के रूप में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में इसका आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं



से कठिन परिश्रम कर अपने लक्ष्य प्राप्त करने, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से बचने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने का उल्लेख करते हुए युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने

और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाना सरकार

की प्राथमिकता है। युवाओं को देश और प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने कहा। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के, ने जिले का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं ने खेल और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छड्ट पेंड्रा के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात नियमों के पालन, नशामुक्ति और युवा राजवीर योजना के संबंध में जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत का कुशलक्षेम जानने अस्पताल पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

- विधायक श्रीमती भगत से मुलाकात कर ली स्वास्थ्य की जानकारी, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की



विधायक श्रीमती भगत से संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य के प्रति अपनी चिंता और संवेदनशीलता व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि श्रीमती भगत जल्द से जल्द पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने परिवार, शुभचिंतकों और क्षेत्र की जनता के बीच लौटें तथा पूर्व की भांति जनसेवा एवं क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि विधायक श्रीमती रायमुनि भगत

जनसेवा के प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि हैं। उन्होंने जशपुर क्षेत्र की जनता के प्रति उनके समर्पण और सक्रियता का उल्लेख करते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि माता रानी की असीम कृपा और आशीर्वाद से श्रीमती भगत को उत्तम स्वास्थ्य, नई ऊर्जा एवं दीर्घायु प्राप्त हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे शीघ्र स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के बीच आत्मीयता, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण विशेषता है। उन्होंने विधायक श्रीमती भगत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की।

कुसमुण्डा पुलिस ने चोरी के दो मामलों का किया खुलासा पांच आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कुसमुण्डा पुलिस ने चोरी के अलग-अलग दो मामलों का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 55 हजार रुपये मूल्य का चोरी गया सामान बरामद किया है। चोरी की एक वारदात स्कूल में हुई थी, जहां से कंप्यूटर सेट, प्रिंटर सहित अन्य सामान चोरी किया गया था। वहीं, दूसरे मामले में सामुदायिक भवन से लोहे की ग्रिल वाला दरवाजा चोरी हुआ था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चोरी के पहले मामले में अपराध क्रमांक 186/2026 दर्ज किया गया था। इस मामले में स्कूल से कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, दो यूपीएस, साउंड बॉक्स और इंडक्शन चोरी होने की शिकायत सामने आई थी। वहीं, दूसरे मामले में अपराध क्रमांक 194/2026 के तहत सामुदायिक भवन से लोहे की ग्रिल वाला दरवाजा चोरी होने का मामला दर्ज किया गया था। दोनों मामलों की जांच करते हुए कुसमुण्डा पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया और चोरी गयी सामान बरामद किया। कुसमुण्डा पुलिस ने इन मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया है- शिवम दास महंत (23 वर्ष) - बिरदा स्कूलपारा सुनील यादव (26 वर्ष) - बरभांठा सरईश्रृंगार प्रदीप कुमार कंदेर (26 वर्ष) - बरभांठा सरईश्रृंगार अनिल कुमार आगरे (27 वर्ष) - बिरदा स्कूलपारा आशीष सोनी (33 वर्ष) - बिरदा। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी थाना कुसमुण्डा क्षेत्र, जिला कोरबा के निवासी हैं।

लखनपुर में कार सवार अज्ञात चोरों ने ट्रक से चुराया 300 लीटर डीजल,मालिकों में आक्रोश

- नेशनल हाईवे-130 पर लगातार बढ़ रही डीजल चोरी की घटनाएं, लहपटरा टोल प्लाजा के पास भी चोरी का प्रयास



लखनपुर । लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे-130 स्थित लखनपुर में रेहान बिरयानी के सामने खड़े ट्रक से कार सवार अज्ञात चोरों ने 300 लीटर डीजल चोरी कर लिया। घटना 15 और 16 अक्टूबर की दरमियानी रात लगभग 3:30 से 4:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही डीजल चोरी की घटनाओं को लेकर ट्रक मालिकों और नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, लखनपुर निवासी आलोक गुप्ता के ट्रक क्रमांक छत 14 रू 9101 का चालक संतोष कुमार वैष्णव लखनपुर बस स्टैंड में आयोजित जागरण कार्यक्रम में शामिल होने

अज्ञात चोरों के हाईसेल इतने बुलंद हैं कि लखनपुर में डीजल चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद लहपटरा टोल प्लाजा के पास भी ट्रकों से डीजल चोरी करने का प्रयास किया गया। हालांकि, ट्रक चालक के जाग जाने के कारण चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

लगातार हो रही चोरी से ट्रक मालिक परेशान

क्षेत्र में लगातार सामने आ रही डीजल चोरी की घटनाओं से ट्रक मालिकों और वाहन चालकों में चिंता बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि हाईवे किनारे खड़े वाहनों से डीजल चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए। घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई है। अब देखना होगा कि पुलिस इन घटनाओं पर रोक लगाने और कार सवार अज्ञात चोरों की पहचान कर कार्रवाई करने के लिए क्या कदम उठाती है।



घर के मंदिर में ध्यान रखनी चाहिए यह बातें

देवी-देवताओं का पूजन करने से दुख-दर्द तो दूर होते हैं, साथ ही शांति भी मिलती है। इसी कारण पुराने समय से ही पूजन की परंपरा चली आ रही है। जिन घरों में हर रोज पूजा की जाती है, वहां का वातावरण सकारात्मक और पवित्र रहता है। दरिद्रता दूर रहती है। दीपक और अमरबत्ती के घुंघुं से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले सूक्ष्म कीटाणु भी मर जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार पूजन के लिए कई आवश्यक नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करते हुए पूजा करने पर श्रेष्ठ फल प्राप्त होते हैं। महालक्ष्मी सहित सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है। यहां जानिए 20 नियम जो कि घर के मंदिर में पूजा करते समय ध्यान रखना चाहिए

- सभी प्रकार की पूजा में चावल विशेष रूप से चढ़ाए जाते हैं। पूजन के लिए ऐसे चावल का उपयोग करना चाहिए जो अखंडित (पूरे चावल) हो यानी टूटे हुए ना हो। चावल चढ़ाने से पहले इन्हें हल्दी से पीला करना बहुत शुभ माना गया है। इसके लिए थोड़े से पानी में हल्दी घोल लें और उस घोल में चावल को डूबोकर पीला किया जा सकता है।
- पूजन में पान का पत्ता भी रखना चाहिए। ध्यान रखें पान के पत्ते के साथ इलाइची, लौंग, गुलकंद आदि भी चढ़ाना चाहिए। पूरा बना हुआ पान चढ़ाएं तो श्रेष्ठ रहेगा।
- पूजन कर्म में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पूजा के बीच में दीपक बुझाना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है।
- किसी भी भगवान के पूजन में उनका आवाहन (आमंत्रित करना) करना, ध्यान करना, आसन देना, स्नान करवाना, धूप-दीप जलाना, अक्षत (चावल), कुमकुम, चंदन, पुष्प (फूल), प्रसाद आदि अनिवार्य रूप से होना चाहिए।
- देवी-देवताओं को हार-फूल, पत्तियां आदि अर्पित करने से पहले एक बार साफ पानी से अवश्य धो लेना चाहिए।
- भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए पीले रंग का रेशमी कपड़ा चढ़ाना चाहिए। माता दुर्गा, सूर्यदेव व श्रीगणेश को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग का, भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सफेद वस्त्र अर्पित करना चाहिए।
- किसी भी प्रकार के पूजन में कुल देवता, कुल देवी, घर के वास्तु देवता, ग्राम देवता आदि का ध्यान करना भी आवश्यक है। इन सभी का पूजन भी करना चाहिए।
- पूजन में हम जिस आसन पर बैठते हैं, उसे पैरों से इधर-उधर खिसकाना नहीं चाहिए। आसन को हाथों से ही खिसकाना चाहिए।
- यदि आप प्रतिदिन घी का एक दीपक भी घर में जलाएं तो घर के कई वास्तु दोष भी दूर हो जाएंगे।
- सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु, ये पंचदेव कहलाते हैं, इनकी पूजा सभी कार्यों में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। प्रतिदिन पूजन करते समय इन पंचदेव का ध्यान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी कृपा और समृद्धि प्राप्त होती है।
- तुलसी के पत्तों को 11 दिनों तक बासी नहीं माना जाता है। इसकी पत्तियों पर हर रोज जल छिड़कर पुनः भगवान को अर्पित किया जा सकता है।
- दीपक हमेशा भगवान की प्रतिमा के ठीक सामने लगाना चाहिए। कभी-कभी भगवान की प्रतिमा के सामने दीपक न लगाकर इधर-उधर लगा दिया जाता है, जबकि यह सही नहीं है।
- घी के दीपक के लिए सफेद रुई की बत्ती उपयोग किया जाना चाहिए। जबकि तेल के दीपक के लिए लाल धागे की बत्ती श्रेष्ठ बताई गई है।
- पूजन में कभी भी खंडित दीपक नहीं जलाना चाहिए। धार्मिक कार्यों में खंडित सामग्री शुभ नहीं मानी जाती है।
- शिवजी को बिल्व पत्र अवश्य चढ़ाएं और किसी भी पूजा में मनोकामना की सफलता के लिए अपनी इच्छा के अनुसार भगवान को दक्षिणा अवश्य चढ़ानी चाहिए, दान करना चाहिए। दक्षिणा अर्पित करते समय अपने दोषों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। दोषों को जल्दी से जल्दी छोड़ने पर मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होंगी।
- भगवान सूर्य की 7, श्रीगणेश की 3, विष्णुजी की 4 और शिवजी की 1/2 परिक्रमा करनी चाहिए।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इन सभी की पूरी जानकारी किसी ब्राह्मण (पंडित) से प्राप्त की जा सकती है। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।
- घर में पूजन स्थल के ऊपर कोई कबाड़ या भारी चीज न रखें।
- भगवान शिव को हल्दी नहीं चढ़ाना चाहिए और न ही शंख से जल चढ़ाना चाहिए।
- पूजन स्थल पर पवित्रता का ध्यान रखें। चप्पल पहनकर कोई मंदिर तक नहीं जाना चाहिए। चमड़े का बेल्ट या पर्स अपने पास रखकर पूजा न करें। पूजन स्थल पर कचरा इत्यादि न जमा हो पाए।



त्रेतायुग के महान सम्राट मंधाता के पौत्र प्रतिसेनजित की रेणुका और वेणुका नाम की दो अत्यंत रूपवती कन्याएं थीं। राजा को अपने धन-वैभव पर बहुत अहंकार था तथा उन्होंने एक दिन अपनी दोनों पुत्रियों से पूछा कि तुम किसका दिया खाती हो। वेणुका ने तो कह दिया कि पिता जी हम तो आपका दिया खाती हैं मगर रेणुका बोली कि हम सब परमात्मा का दिया खाते हैं। राजा वेणुका के उत्तर से तो प्रसन्न हुआ मगर रेणुका के उत्तर से उसके अहंकार को ठेस लगी। प्रतिकार स्वरूप उसने वेणुका का विवाह तो तत्कालीन अत्यधिक पराक्रमी सम्राट सहस्रबाहु अर्जुन के साथ किया मगर रेणुका का विवाह निर्धन तपस्वी भृगुवंशीय जमदग्नि के साथ किया। इन्हीं जमदग्नि एवं रेणुका के यहां महापराक्रमी भगवान श्री परशुराम जी का जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) को हुआ। इनका बचपन का नाम राम था तथा यह अपने भाइयों रुमण्वान, सुषेण, वसु और विश्वासु में सबसे छोटे थे। ब्राह्मण कुल में पैदा होने पर भी बचपन से ही इनके संस्कार क्षत्रियों जैसे थे। यह अत्यधिक पराक्रमी और साहसी थे और सदा अपने हाथ में एक फरसा लिए रहते थे जिसके कारण उनका नाम 'परशुराम' पड़ गया। सहस्रबाहु अपनी शक्ति का प्रयोग जनता के दमन के लिए करते थे। वह तपस्वी लोगों का भी उत्पीड़न करते थे इसलिए साधु, संत तथा तपस्वी भी उनके राज्य से धीरे-धीरे पलायन करने लगे। तपस्वी जमदग्नि भी उनका राज्य छोड़ कर अपनी पत्नी रेणुका के साथ हिमाचल प्रदेश के ददाह के पास तपे टीले पर आ बसे। यहीं जमदग्नि ने घोर तप किया इसलिए इसे 'तपे का टीला' कहा जाता है। जमदग्नि के नाम से इसे 'जाम् टीला' भी कहा जाता है मगर आजकल यह स्थान 'जमदग्नि टिब्बा' नाम से प्रसिद्ध हो गया है। जाम् टीले से डेढ़-दो किलोमीटर नीचे जाम् ग्राम पड़ता है जहां ऋषि दम्पति रहते थे तथा पांचवें पुत्र परशुराम जी का जन्म भी यहीं पर आकर हुआ था। परशुराम की आश्रमवासी ऋषि के पुत्र थे मगर फिर भी वह अपने दायित्व के प्रति जागरूक रहे। निश्चित रूप से वह अहिंसक वृत्ति वाली आश्रम संस्कृति की उपज थे मगर वह यह भी जानते थे कि दुष्टों का नाश करने के लिए हिंसा का सहारा लेना आवश्यक है। वह

खंडित शिवलिंग की पूजा हो सकती है पर खंडित शिव मूर्ति की नहीं?



भगवान भोलेनाथ की दो रूपों में पूजा की जाती है मूर्ति रूप और शिवलिंग रूप में। महादेव का मूर्तिपूजन भी श्रेष्ठ है लेकिन लिंग पूजन सर्वश्रेष्ठ है माना जाता है। हमारे शास्त्रों द्वारा शिवजी सहित किसी भी देवी देवता की खंडित, टूटी-फूटी मूर्ति का पूजन निषेध है तथा ऐसी मूर्तियों को पूजा घर में रखने की मनाही है। लेकिन शिवलिंग एक अपवाद है। शास्त्रों के अनुसार शिवजी का प्रतीक शिवलिंग कहीं से टूट जाने पर भी खंडित नहीं माना जाता। शिवलिंग चाहे कितना ही खंडित हो जाए वो सदैव ही पवित्र और पूजनीय माना जाता है। ऐसा इसलिए है कि भगवान शिव ब्रह्मरूप होने के कारण निष्कल अर्थात् निराकार कहे गए हैं। भोलेनाथ का कोई रूप नहीं है उनका कोई आकार नहीं है वे निराकार हैं। महादेव का ना तो आदि है और ना ही अंत। लिंग को शिवजी का निराकार रूप ही माना जाता है। जबकि शिव मूर्ति को उनका साकार रूप। केवल शिव ही निराकार लिंग के रूप में पूजे जाते हैं। इस रूप में समस्त ब्रह्मांड का पूजन हो जाता है क्योंकि वे ही समस्त जगत के मूल कारण माने गए हैं। शिवलिंग बहुत ज्यादा टूट जाने पर भी पूजनीय है। अतः हर परिस्थिति में शिवलिंग का पूजन सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला जाता है। शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुंह उत्तर दिशा की ओर हो तो वह सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

भगवान परशुराम अपनी मां से भेंट करने प्रतिवर्ष आते हैं रेणुका झील

योगीराज श्रीकृष्ण तथा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की परम्परा के ही पोषक थे और यथायोग्य व्यवहार करना उनका सिद्धांत था इसलिए उन्होंने अत्याचारी शासकों का नाश करने का बीड़ा उठाया जो पूजा-अर्चना, वेद-पाठ एवं हवन-यज्ञ आदि के विध्वंस में लगे हुए थे। ब्राह्मण संस्कृति का इस प्रकार से विनाश किया जाना परशुराम को मान्य नहीं था। वह आर्य संस्कृति के पोषक थे। अत्याचारी शासकों के विनाश और अपने मां-बाप का सच्चा श्राद्ध करके इस महापराक्रमी योद्धा ने असम राज्य की पूर्वी सीमा पर जहां से ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है, अपने फरसे का त्याग कर दिया और महेंद्र पर्वत पर आश्रम बनाकर अपना जीवन योग-ध्यान में व्यतीत करने लगे। जब श्रीराम ने सीता के स्वयंवर में शिव धनुष तोड़ा तो परशुराम अत्यधिक क्रोधित होकर पुनः आ गए मगर श्रीराम की आध्यात्मिकता एवं मर्यादाओं से अवगत होने के बाद वह शांत हो गए। रेणुका नामक स्थान जिला सिरमौर के मुख्यालय नाहन से लगभग चालीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां पर रेणुका की आदमकद मूर्ति स्थापित की गई है तथा वही पर

भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर था जिसका 1982 में जीर्णोद्धार किया गया है। यह भव्य रेणुका झील जिसके चारों ओर परिक्रमा मार्ग है। इस मार्ग की लम्बाई लगभग चार किलोमीटर है। डंडोर नामक गांव के पुजारी पूजा-अर्चना का कार्य निभाते हैं। रेणुका झील के साथ ही नीवे की ओर परशुराम ताल है। कहते हैं कि जनसाधारण को सहस्रबाहु से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान परशुराम ने एक बहुत बड़ा यज्ञ किया था। बाद में हवन कुंड रेणुका झील के पानी से भर गया। इसी को परशुराम ताल कहा जाता है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि महापराक्रमी भगवान परशुराम अपनी मां से भेंट करने के लिए प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल दशमी को महेंद्र पर्वत से यहां आते हैं। दीपावली के दस दिन बाद यहां पर बहुत विशाल मेला लगता है जो पूर्णिमा तक चलता है। स्थानीय देवता भी अपने-अपने रथ पर रेणुका मेले में आकर मेले की शोभा बढ़ाते हैं। पालकी पर भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली जाती है जो देखते ही बनती है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस मेले को राज्य स्तरीय घोषित किया है।

हनुमान जी का अनूठा मंदिर दुश्मनों का नाश करने के लिए लगाई जाती है अर्जी

भारत में ही नहीं संपूर्ण विश्व में हनुमान जी के बहुत सारे मंदिर हैं। जहां वह अपने भक्तों की मनवाही इच्छाएं पूर्ण करते हैं। भिड़ शहर के इटावा रोड से कॉटनजीन को जाने वाले रोड के किनारे पर श्री मंशापूर्ण हनुमान जी का मंदिर है। जिससे स्थापित हुए लगभग 60 वर्ष हुए हैं। इससे पहले यहां छोटा सा मंदिर था और हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित थी। जो पशु अस्पताल के एक कर्मचारी ने विराजित करवाई थी। वर्तमान समय में मंदिर ने आलीशान और शानदार रूप ले लिया है। हनुमान जी के साथ श्रीसीताराम, लक्ष्मण, श्रीहरि विष्णु के संग देवी लक्ष्मी, श्रीराधाकृष्ण और शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठित है। इस मंदिर में हनुमान जी की लिखें जाते हैं प्रार्थना पत्र, मांगी जाती हैं अजब-गजब मन्त्रों। मंशापूर्ण हनुमान जी के पास आते हैं ऐसे प्रार्थना पत्र - शादियों का मौसम आरंभ होने वाला है, मेरी शादी करवा दो। मैं अन्य लोगों से कुछ हट कर हूं। मेरी नीकरी लगवा दो। मेरे परिवार को एक कर दो, उजड़ संसार को फिर से बसा दो। जो कोई हमें हानि पहुंचाने की कोशिश करे उसका नाश कर दो। वो सदा-सदा के लिए मेरा हो जाए, उस लड़की से हमेशा के लिए उसे दूर कर दो। मुझे पास करवा दो भगवान। मुझे वलास का मोनितर बना दो। मेरे तीनों दुश्मनों का सर्वनाश कर देना। पेपर में अच्छे मावर्स देना, 80 परसेंट तो दिलवा देना प्लीज। मेरी जान मुझे छोड़कर चली गई है, उसे हमेशा खुश रखना। मैं और मेरा प्यार सदा के लिए एक हो जाए। प्रत्येक वर्ष यहां सैकड़ों ऐसी अर्जियां हनुमान जी के दरबार में आती हैं। कुछ अजब गजब किस्म की प्रार्थनाएं भी होती हैं। जिनमें लोग अपने दुश्मन का नाम लिखकर उनका सर्वनाश करने की बात भी कहते हैं।



मन कोईश्वर की ओर मोड़ने से पहले ध्यान रखें यह बात

जन्म-जन्मांतर से हमारे मन पर संस्कारों की परत जमी रहती है। उससे बेखबर हम जीवन के क्रियाकलापों में उलझे रहते हैं। अचानक कहीं से उड़ता हुआ कोई बीज आकर गिरता है और ज्ञान का अंकुर फूट पड़ता है। तुलसीदास को पत्नी रत्नावली की फटकार ने ही विचारी दिखाई। सूरदास माधव से खार लेने की विरोधी करते। एक दिन आचार्य वल्लभ ने उन्हें आत्म भ्रमनां से लीला के उत्सव की ओर मोड़ दिया। उन्होंने पूजा, श्रु होकर धिधियाते क्यों हो बस फिर सूरदास के सामने कृष्ण लीला की सुंदर से सुंदर झांकिया खुलने लगी। पञ्चाब के महान सूफी संत थे बुल्ले शाह। उनके पिता मरिजद में मौलवी थे। सैयद वंश के होने के कारण उनका संबंध हजरत मुहम्मद से था। अरबी, फारसी के विद्वान थे। शास्त्र अध्ययन तो गहन था परंतु परमात्मा के दर्शन का मार्ग नहीं मिल रहा था। इसी खोज में वे सूफी फकीर हजरत इनायत शाह कादरी तक पहुंच गए। यह पहुंचे तो इनायत शाह प्याज के पौधे लगाने में मग्न थे, उन्हें आहट सुनाई नहीं पड़ी। बुल्ले शाह उन्हें अपने आध्यात्मिक अभ्यास से प्रभावित करना

चाहते थे। इसलिए आसपास लगे आम से लदे पेड़ों की ओर ध्यान लगाकर देखा। आम टपाटप गिरने लगे। शाह ने पूछा, आम क्यों गिराएं? बुल्ले शाह ने कहा, साईं! न तो मैं पेड़ों पर चढ़ा न कंकड़ फेंका, भला मैं आम कैसे तोड़ सकता हूं। साईं ने कहा, तू तो चोर भी है और चतुर भी। बस शिष्य उनके वरणों पर लोट गया। साईं ने आने का उद्देश्य पूछा। उनके यह कहने पर कि खब को पाना चाहता हूं तो साईं ने कहा, उठ मेरी तरफ देख। यह बोले, बुल्लेया खब वा कि पीणा, एदरो पटना ते ओदर लीणा (ईश्वर की प्राप्ति ऐसे ही जैसे एक पीछा इधर से उखाड़ उधर लगा देना)। फिर बया था। बुल्ले शाह ने मन को संसार से हटा कर ईश्वर की ओर मोड़ लिया। ईश्वर को गुरु में ही देखने लगे।

विधायक रिकेश की वैशाली नगर विधानसभा में बहेगी विकास की बयार

37 वार्ड के लिए 9.41 करोड़ से अधिक के 49 विकास कार्यों को मिली मंजूरी

सड़क, नाली, ड्रेम शेड, उद्यान ऊयन और सामुदायिक भवनों के निर्माण से बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र की विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए स्थानीय विधायक रिकेश सेन के लगातार किए जा रहे प्रयासों को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड-1 से 37 तक के विभिन्न विकास कार्यों हेतु कुल 9 करोड़ 41 लाख 48 हजार रुपये की लागत वाले 49 महत्वपूर्ण कार्यों की प्रशासकीय व अनुदान स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

विधायक रिकेश सेन के प्रस्ताव और सशक्त पहल पर शासन द्वारा जारी इस स्वीकृति आदेश से क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह और हर्ष का माहौल है। आम जनता ने चुनिचुनी समस्याओं के समाधान और अधोसंरचना के विकास के लिए विधायक रिकेश सेन के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

आपको बता दें कि प्रमुख स्वीकृत विकास कार्य में सूर्या मॉल चौक के सामने चौक निर्माण, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण, नेहरू नगर, राधिका नगर एवं मैत्री विहार क्षेत्र के वार्ड-4 नेहरू नगर ब्लॉक 16 एवं 17 के बीच सीसी रोड, पुलिस तथा ब्लॉक 64 में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य, वार्ड-5 में ड्रेम शेड



निर्माण, राधिका नगर/मैत्री विहार में सोवरेज लाइन कार्य, मैत्री उद्यान व ड्रेम शेड निर्माण, श्याम सदन में हाट निर्माण एवं पैवर ब्लॉक लगाने का कार्य, सुपेला, लक्ष्मी नगर, सुंदर नगर एवं शांति नगर क्षेत्र के

वार्ड-10 मंच के सामने शेड, दुर्गा मंदिर के पास सामुदायिक भवन, दुर्गा पार्क में शेड तथा हनुमान मंदिर परिसर सच्ची मार्केट में होर खान, वार्ड-11 सुंदर नगर सामुदायिक भवन व टाटा लाइन में ड्रेम शेड तथा फ्रीड नगर इंदगाह चौक से निजामी चौक तक मुख्य मार्ग का डामरीकरण, वार्ड-13 सिरसा रोड महिला भवन का जीर्णोद्धार, वार्ड-14

शांति नगर/चंद्र नगर की विभिन्न सड़कों में नाली व सड़क निर्माण, वार्ड-15 वैशाली नगर थाना परिसर में बाउंड्रीवाल व सीसी रोड, इंदिरा गांधी प्रांगण एवं हनुमान मंदिर में ड्रेम शेड निर्माण तथा सियान सदन संधारण, वार्ड-17 सुपेला नेहरू भवन व रैन बसेरा संधारण, साहू मित्र सभा व अस्पताल के पास नाली निर्माण, नेहरू भवन रोड से सुपेला स्कूल तक नाली व प्रकाश व्यवस्था, हनुमान मंदिर के पास ड्रेम शेड, सीमेंटीकरण तथा विभिन्न उद्यानों का उन्नयन किया जाएगा।

जवाहर नगर, कोसा नगर एवं शास्त्री नगर क्षेत्र के वार्ड-21 एवं 22 लोहिया रोड तक सीसी रोड, नाली तथा नकटा तालाब से अक्षतधाम मंदिर तक सीसी रोड निर्माण, वार्ड-25 जवाहर नगर में जवाहर विद्यालय के सामने व हाउसिंग बोर्ड एलआईजी लाइन में सीसी रोड, वार्ड-27 कबीर कुटी, मेहमान कोल डिपो, राधा कृष्ण मंदिर, शास्त्री नगर शिव मंदिर एवं तीन दर्शन मंदिर के पास सार्वजनिक/सामुदायिक भवनों का निर्माण होगा।

कैप क्षेत्र एवं शिवाजी नगर अंतर्गत वार्ड-28 सुभाष चौक के पास बीएसपी हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड के समीप विशाल मांगलिक/सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए 2 करोड़ की बड़ी सीमांत मिली है। वार्ड-29 वृंदा नगर, स्टील नगर, अर्जुन नगर में सीसी

रोड, दुर्गा ग्राउंड में विद्युत पोल व फेंसिंग तथा सीमेंटीकरण कार्य, वार्ड-33 व 34 शिवाजी नगर गणेश चौक से मौर्या होटल तक, नंदनी रोड से शंभू चौधरी के घर तथा मिलन चौक से आंध्रा स्कूल-जनता स्कूल तक बड़े पैमाने पर सीमेंटीकरण व सीसी रोड निर्माण हेतु 65 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड-35 कबीर कुटी लाइन, भैरो बस्ती तथा गांधी चौक से पंप हाउस तक सीसी रोड निर्माण, वार्ड-36 कैप-2 तालाब में सोधा पिच रेटिंग वॉल के निर्माण कार्य के लिए 51 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

जनता की जरूरतों को प्राथमिकता-रिकेश सेन

स्वीकृति मिलने पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वे क्षेत्र की जनता की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सुगम आवागमन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सड़कों के सुदृढ़ीकरण, जलनिकासी के लिए नालियों के निर्माण, मांगलिक कार्यों हेतु ड्रेम शेड व सामुदायिक भवनों की लंबे समय से मांग थी। शासन से 9 करोड़ 41 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत होने से वार्ड 1 से 37 तक के रहवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। शीघ्र ही निविदा प्रक्रिया पूर्ण करकर निर्माण कार्य प्रारंभ कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री सक्षम योजना से कमलेश्वरी यादव के स्वरोजगार को मिली नई मजबूती



शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री सक्षम योजना से लाभान्वित दुर्गा निवासी कमलेश्वरी यादव भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कमलेश्वरी यादव डेली नौडस की दुकान का संचालन करती हैं। अपने व्यवसाय को और बेहतर बनाने तथा दुकान का विस्तार करने के उद्देश्य से उन्होंने मुख्यमंत्री सक्षम

योजना के तहत 'दो लाख का ऋण' प्राप्त किया है। इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और स्वरोजगार को नई मजबूती देने का अवसर मिला है। कमलेश्वरी यादव का प्रयास है कि उनकी दुकान का व्यवसाय और बेहतर हो तथा वे आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बन सकें। शासन की इस पहल से उन्हें अपने सपनों को साकार करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। इस सहयोग के लिए कमलेश्वरी यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। मुख्यमंत्री सक्षम योजना उनके लिए स्वरोजगार को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

शहर के विभिन्न उद्यानों का 41.37 लाख रुपये से होगा संधारण एवं सौंदर्यीकरण, महापौर अलका बाघमार ने किया भूमिपूजन



दुर्गा। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के वार्ड क्रमांक 39 में उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण कार्य को गति देने के उद्देश्य से 41.37 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पर्यावरण विभाग प्रभारी काशीराम कोसरे, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्श्व गुलाब वर्मा, मनीष

कोउरी, उपअध्ययता पंकज साहू सहित वार्ड के नागरिकों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। इस कार्य के पूर्ण होने से शहर के विभिन्न उद्यानों की स्थिति बेहतर होगी तथा नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उद्यानों का संधारण एवं सौंदर्यीकरण होने से बच्चों, जुगुनों और परिवारों को सुबह-शाम घूमने, बैठने तथा समय बिताने के लिए बेहतर स्थान मिल सकेगा। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के विकास के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उद्यान शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इसी उद्देश्य से उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को इनका लाभ मिल सके। नगर निगम द्वारा लाभ मिल सके, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों के ध्वस्तीकरण की पहल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में स्थित जर्जर, क्षतिग्रस्त एवं लंबे समय से अनुपयोगी भवनों तथा अन्य संरचनाओं के ध्वस्तीकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह पहल जनसुरक्षा सुनिश्चित करने, संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम करने, सार्वजनिक एवं संस्थागत परिसरों का संरक्षण करने तथा असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की जा रही है। समय के साथ कई भवन एवं संरचनाएं अव्यधिक जर्जर हो गई हैं तथा उपयोग के योग्य नहीं रह गई हैं। ऐसे भवनों में छत, दीवारों एवं अन्य हिस्सों के गिरने की आशंका बनी रहती है, जिससे आसपास रहने वाले नागरिकों, राहगीरों तथा अन्य व्यक्तियों के लिए दुर्घटना का खतरा उत्पन्न हो सकता है। विशेष रूप से लंबे समय से खाली पड़े एवं



अनुपयोगी भवनों का उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा अनधिकृत गतिविधियों के लिए किए जाने की आशंका भी रहती है। इससे क्षेत्र की सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बीएसपी

प्रबंधन द्वारा ऐसे भवनों एवं संरचनाओं को चिह्नित कर आवश्यकतानुसार उनके ध्वस्तीकरण की कार्यवाई की जा रही है। अभियान के अंतर्गत भवनों की स्थिति, उनकी उपयोगिता, संभावित जोखिम तथा आसपास के क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता निर्धारित की जा रही है। आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए चरणबद्ध तरीके से कार्यवाई की जा रही है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य संभावित दुर्घटनाओं को रोकना, असुरक्षित संरचनाओं से उत्पन्न जोखिम को कम करना,

अनधिकृत प्रवेश एवं असामाजिक गतिविधियों की संभावनाओं पर अंकुश लगाना तथा टाउनशिप क्षेत्र में सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखना है। इसके साथ ही, अनुपयोगी एवं क्षतिग्रस्त संरचनाओं के कारण उत्पन्न होने वाली स्वच्छता संबंधी समस्याओं तथा आसपास के नागरिकों को होने वाली असुविधा को भी कम करने का प्रयास किया जा रहा है। बीएसपी प्रबंधन सार्वजनिक सुरक्षा एवं नगर की सुव्यवस्था को अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है। इस दिशा में संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक कार्यवाई की जा रही है, ताकि जोखिमपूर्ण भवनों के कारण किसी अग्रिय घटना की स्थिति उत्पन्न न हो। जहां आवश्यक होगा, वहां संबंधित प्रशासनिक एवं सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से भी कार्यवाई की जाएगी। बीएसपी

प्रबंधन आम नागरिकों से अपील करता है कि वे जर्जर एवं असुरक्षित घोषित भवनों तथा संरचनाओं के निकट जाने, उनमें प्रवेश करने अथवा उनका उपयोग करने से बचें। ऐसे भवनों में अनधिकृत प्रवेश करना दुर्घटना का कारण बन सकता है। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा समस्त नगरवासियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्ध है। जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों का ध्वस्तीकरण इसी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में भी सुरक्षा एवं जनहित को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार ऐसी कार्यवाई जारी रखी जाएगी।

26 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दुर्गा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जिले में 26 अक्टूबर से 01 नवंबर तक सत्यानिष्ठ से समृद्धि प्रोबिटी फॉर प्रोसेडिटी थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 मनाया जाएगा। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के प्रथम दिवस अर्थात् 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा सत्यानिष्ठ प्रतिज्ञा अनुसार शपथ ली जाएगी। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में एक प्रमुख बाधा रहा है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार, नागरिक और निजी क्षेत्र जैसे सभी हितधारकों को मिलकर काम करने

की आवश्यकता है। मैं समझता / समझती हूँ कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहना चाहिए और हर समय ईमानदारी और सत्यानिष्ठ के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सहयोग देना चाहिए। इसलिए, मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ- जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और सत्यानिष्ठ के शासन का पालन करना, न तो रिश्तत लेना और न ही रिश्तत देना, सभी कार्यों को ईमानदारी और पारदर्शिता से करना, जनहित में कार्य करना, व्यक्तिगत व्यवहार में सत्यानिष्ठ का उदाहरण प्रस्तुत करना, भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की सूचना उचित एजेंसी को देना।

हटाने के आदेश के बावजूद घांस भूमि पर अवैध मकान निर्माण



दुर्गा। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अजीतजी सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका

लगाने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि घांस भूमि के एक हिस्से पर कब्जा कर मकान निर्माण किया जा रहा है। इससे आम रास्ते की चौड़ाई कम होकर लगभग 3.4 मीटर रह गई है, जबकि पहले रास्ता करीब 20 फीट चौड़ा था। दोनों पक्षों के दस्तावेजों और पटवारी प्रतिवेदन के आधार पर अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया गया था। आदेश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया और निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार

पाटन को त्वरित कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए। भिलाई के वार्ड क्रमांक 25 स्थित हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाने को लेकर मोहल्लेवासियों ने शिकायत की। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पहले से ही छत पर मोबाइल टावर लगा हुआ है और अब वहां दोबारा टावर लगाने का काम किया जा रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि उनकी अनुमति के बिना निर्माण कार्य किया जा रहा है। निवासियों ने मोबाइल टावर से निकलने वाले विद्युतचुंबकीय विकिरण के संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर चिंता जताई। इस पर कलेक्टर ने ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम पंचायत मेहेसरा तहसील अहिंवारा निवासी ने शासकीय नाले का रास्ता अवैध रूप से बदलने और शासकीय भूमि पर कब्जे की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि पुराने प्राकृतिक नाले का रास्ता बदलकर उसे छोटा कर दिया गया है तथा शेष भूमि पर खेतों की जा रही है। इससे बाहिर और बाढ़ का पानी खेतों में भरने से फसलों को नुकसान तथा खेतों की मेड़ों का कटाव हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार अहिंवारा को मौके का जांच व नाप करवाकर अतिक्रमण पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ब्राइट मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय के बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण



दुर्गा। मुख्यमंत्री शहरी स्वस्थ योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम द्वारा कादंबरी नगर स्थित ब्राइट मंदबुद्धि एवं मूकबधिर विद्यालय में छात्र-छात्राओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। इसी क्रम में कादंबरी नगर स्थित प्रशामक देखरेख वृद्ध वृद्धाश्रम में भी मोबाइल मेडिकल

यूनिट की टीम पहुंची और वहीं निवासरत नुजुगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तथा वरिष्ठ नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की सहज पहुंच सुनिश्चित करना और उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री शहरी स्वस्थ योजना के माध्यम से मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम विभिन्न क्षेत्रों एवं संस्थानों में

पहुँचकर नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। योजना के माध्यम से विशेष रूप से जरूरतमंद वर्गों, दिव्यांग बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनके जनदीक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। इस प्रकार की चिकित्सा सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाने के साथ ही समाज के संवेदनशील वर्गों की देखभाल को भी प्राथमिकता दी जा

रही है। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संस्था के संचालक राजू रावपूत एवं मोबाइल मेडिकल यूनिट के एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष यादव के आपसी समन्वय एवं सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मोबाइल मेडिकल यूनिट के मेडिकल ऑफिसर डॉ. निलेश शर्मा, फार्मासिस्ट प्रतापचंद साहू, नर्स राधिका यादव, लैब टेक्नीशियन संधी सहित संस्था के शिक्षकगण उपस्थित रहे।